हिन्दी दैनिक

आर.एन.आई.नं.:-UPHIN/2005/16132

उपभोक्ता की दुनिया

श्रावस्ती से प्रकाशित

वर्ष : 21 अंक : 23 | श्रावस्ती, रविवार 29 जून 2025 | पृष्ठ : 4 | मूल्य : 1 रूपया

सीएम योगी ने जनता दर्शन में सुनीं २०० लोगों की समस्याएं दिया आश्वासन, कहा बिटिया का इलाज कराएंगे, आवास भी दिलाएंगे

गोरखपुर (एजेन्सी)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गोरखपुर प्रवास के दौरान शनिवार सुबह गोरखनाथ मंदिर में आयोजित जनता दर्शन में लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं। इस दौरान उन्होंने नन्ही बिटिया के इलाज में मदद और आवास की व्यवस्था करने की गुहार के साथ बिटिया को गोद में लेकर बैठी महिला को भरोसा दिया कि बच्ची का अच्छे से अच्छा इलाज सरकार कराएगी। महिला और उसके परिवार के लिए आवास की भी व्यवस्था कराई जाएगी। इसे लेकर सीएम योगी ने मौके पर मौजूद अधिकारियों को निर्देशित भी किया। जनता दर्शन में आए लोगों की समस्याएं सुनते हुए मुख्यमंत्री ने उन्हें आश्वस्त किया कि वे हर समस्या पर प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित कराएंगे। इसके साथ ही उन्होंने अधिकारियों से कहा कि वे जन समस्याओं पर त्वरित संवेदनशीलता दिखाएं। शनिवार सुबह गोरखनाथ मंदिर में आयोजित जनता दर्शन के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने करीब 200 लोगों से मुलाकात की। महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन के बाहर लगी कुर्सियों पर बैठाए गए लोगो तक मुख्यमंत्री खुद पहुंचे और एक–एक कर उनकी समस्याओं को सुना। ध्यान से बात सुनते हुए उनके प्रार्थना पत्र लिए और निस्तारण के लिए संबंधित प्रशासनिक व पुलिस अधिकारियों को संदर्भित कर निर्देशित किया कि सभी समस्याओं का निस्तारण समयबद्ध, निष्पक्ष और सन्तुष्टिपरक होना चाहिए। मुख्यमंत्री ने आवास के लिए जरूरतमंद लोगों को सरकारी योजना से मकान दिलाने और गंभीर बीमारियों से पीड़ितों के इलाज में भरपूर आर्थिक सहायता देने का आत्मीय संबल दिया। उन्होंने कहा कि सरकार हर जरूरतमंद और पात्र व्यक्ति को कल्याणकारी योजनाओं का लाभ दिलाने तथा हर समस्या के प्रभावी निस्तारण के लिए संकल्पित है। लोगों से मुलाकात के क्रम में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ गोद में बीमार बच्ची को लेकर कुर्सी पर बैठी महिला की समस्या सुन मुख्यमंत्री अत्यंत भावुक हो गए। महिला बच्ची के इलाज और आवास की समस्या लेकर आई थी। सीएम योगी ने उसे आश्वस्त किया कि दोनों समस्याओं इलाज और आवास की व्यवस्था, का समाधान सरकार कराएगी। इस दौरान वह मां की गोद में बैठी बच्ची को खूब दुलारते भी रहे। जनता दर्शन में कुछ अन्य लोग भी इलाज के लिए आर्थिक मदद की गुहार लेकर आए थे। मुख्यमंत्री ने उन्हें भरोसा दिया कि धन के अभाव में किसी का इलाज नहीं रुकेगा। उन्होंने अफसरों को निर्देश दिया कि जो भी जरूरतमंद हैं, प्रशासन उनके उच्च स्तरीय इलाज का इस्टीमेट शीघ्रता से बनवाकर उपलब्ध कराए। इस्टीमेट मिलते ही सरकार तुरंत धन उपलब्ध कराएगी। अपराध व जमीन कब्जा किए जाने से संबंधी शिकायतों पर मुख्यमंत्री ने पुलिस को अपराधियों व भू माफिया के खिलाफ सख्त कार्यवाही करने का निर्देश दिया। जनता दर्शन में परिजनों के साथ आए बच्चों को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने खूब दुलारा और आशीर्वाद दिया।

कोलकाता गैंगरेप केस, भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने की घटना की निंदा, जांच के लिए बनाई चार सदस्यीय कमेटी

नयी दिल्ली (एजेन्सी) कोलकाता में लॉ छात्रा के साथ सामूहिक दुष्कर्म की घटना को लेकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने जांच कमेटी बनाई है। छात्रा के साथ कॉलेज में कथित तौर पर तीन युवकों ने गैंगरेप किया था, जिसमें एक आरोपी टीएमसी की छात्र इकाई का सदस्य बताया जाता है। शुक्रवार को गैंगरेप का मामला सामने आने के बाद भाजपा लगातार पश्चिम बंगाल की सत्तारूढ़ पार्टी टीएमसी को घेर रही है। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने लॉ कॉलेज में छात्रा के साथ हुए गैंगरेप की निंदा की। उन्होंने प्रदेश की कानून व्यवस्था पर चिंता व्यक्त की है। इसी बीच पार्टी ने 4 सदस्यीय एक कमेटी का गठन किया है, जो कोलकाता में घटनास्थल का दौरा करेगी। भाजपा की ओर से दी गई आधिकारिक जानकारी के मुताबिक, 4 सदस्यीय जांच कमेटी में पूर्व केंद्रीय मंत्री सतपाल सिंह, मीनाक्षी लेखी, लोकसभा सांसद बिप्लब देव और राज्यसभा सांसद मनन कुमार मिश्रा शामिल हैं। प्रेस नोट के मुताबिक, जांच कमेटी जल्द ही घटनास्थल का दौरा करेगी और अपनी रिपोर्ट राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा को सौंपेगी। इस मामले पर दिल्ली में प्रेस कॉन्फ्रेंस करते हुए भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता संबित पात्रा ने कहा, ष्कोलकाता के लॉ कॉलेज में हुई भयावह घटना से पूरा देश दुखी है। आश्चर्य की बात है कि पश्चिम बंगाल किस दिशा में जा रहा है। यह दुखद है कि पश्चिम बंगाल में महिलाओं के खिलाफ इस तरह के जघन्य अपराध बार–बार सामने आ रहे हैं। एक ऐसा राज्य जहां एक महिला मुख्यमंत्री हैं, वहां महिलाओं के साथ इतनी क्रूरता क्यों है?। संबित पात्रा ने कहा, पीड़िता के बयान से पता चलता है कि यह राज्य प्रायोजित क्रूरता प्रतीत होती है। ऐसा कहने का कारण यह है कि कथित तौर पर कॉलेज यूनियन इसमें शामिल है। मुख्य आरोपी मोनोजित मिश्रा कथित तौर पर टीएमसी की छात्र शाखा का सचिव रहा है। वह उसी कॉलेज का छात्र है, कानून की पढ़ाई कर रहा है और साथ ही सत्तारूढ़ पार्टी के छात्र संगठन से भी जुड़ा हुआ है। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के इस्तीफे की मांग करते हुए संबित पात्रा ने कहा, बंगाल में जो हो रहा है, उसको लेकर हम सब बहुत पीड़ा में हैं। बंगाल में महिलाओं के साथ इस प्रकार के क्रूर व्यवहार को बर्दाश्त नहीं किया जा सकता है। ममता बनर्जी को इस्तीफा देना चाहिए।

भारत को हर क्षेत्र में विश्व गुरु बनाने का संकल्प लें : अमित शाह

गोधरा (एजेन्सी)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार को युवाओं से आह्वान किया कि वे संकल्प लें कि जब भारत अपनी आजादी की 100वीं वर्षगांठ यानी 2047 में मनाएगा, तब हमारा देश हर क्षेत्र में विश्व का नेतृत्व करेगा। अमित शाह गुजरात के पंचमहल जिले के विनजोल में मौजूद श्री गोविंद गुरु विश्वविद्यालय में 125 करोड़ रुपये की विकास परियोजनाओं के उद्घाटन कार्यक्रम को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए संबोधित कर रहे थे। वे खराब मौसम के कारण कार्यक्रम में खुद नहीं पहुंच सके थे। इस दौरान अमित शाह ने भारत की आजादी की लड़ाई में आदिवासी नेता गोविंद गुरु के योगदान को याद करते हुए कहा कि उन्होंने ब्रिटिश शासन के दौरान इस क्षेत्र के लोगों की चेतना को जागृत किया। उन्होंने बताया, श्ब्रिटिश सरकार के खिलाफ संघर्ष में करीब 1,512 आदिवासी भाई–बहनों ने बलिदान दिया, और मांगढ़ (गुजरात) भारत की स्वतंत्रता के इतिहास में एक महत्वपूर्ण स्थान बन गया।श अमित शाह ने कहा, श्प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गोविंद गुरु के वीरता के इतिहास को आगे बढ़ाया है और वे 2047 तक भारत को एक महान राष्ट्र बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं।श उन्होंने आगे कहा, श्हमारे युवाओं और बच्चों को यह संकल्प लेना चाहिए कि जब भारत अपनी स्वतंत्रता की शताब्दी मनाए, तब हम हर क्षेत्र में दुनिया में प्रथम स्थान पर हों।श गृह मंत्री ने बताया कि गोविंद गुरु विश्वविद्यालय की स्थापना का विचार स्वयं नरेंद्र मोदी ने गुजरात के मुख्यमंत्री रहते हुए किया था। उन्होंने आगे कहा, श्यह विश्वविद्यालय और गोविंद गुरु का स्मारक पूरे देश के आदिवासी समाज के लिए प्रेरणा का केंद्र बन सके, इस उद्देश्य से यह विचार आयाश।

उन्होंने जानकारी दी कि विश्वविद्यालय की स्थापना 2015 में हुई थी और आज जिन परियोजनाओं का उद्घाटन व शिलान्यास हुआ है, उनकी कुल लागत 125 करोड़ रुपये है। इन परियोजनाओं में सेंटर फॉर एक्सीलेंस, इंडोर मल्टीपर्पस स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स, सिंथेटिक ट्रैक, फुटबॉल और क्रिकेट मैदान, कृत्रिम झील, छात्रावास भवन शामिल हैं। शाह ने भारत के स्वतंत्रता संग्राम में आदिवासी नेता गोविंद गुरु के योगदान को भी याद किया और कहा कि उन्होंने ब्रिटिश शासन के दौरान क्षेत्र के लोगों की अंतरात्मा को जगाया।

शाह, वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए एक कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। इस कार्यक्रम में गुजरात के पंचमहल जिले में गोधरा के पास विंजोल में श्री गोविंद गुरु विश्वविद्यालय के लिए 125 करोड़ रुपये की लागत वाली विभिन्न परियोजनाओं का उद्घाटन व शिलान्यास किया गया। शाह ने गोविंद गुरु को भारत के स्वतंत्रता संग्राम का नायक बताते हुए कहा, "अंग्रेजों के खिलाफ उस संघर्ष में करीब 1,512 आदिवासी भाई–बहन शहीद हुए और गुजरात में मानगढ़ भारत की आजादी की लड़ाई के इतिहास में एक महत्वपूर्ण स्थान बन गया।

लगातार बढ़ रहा सरयू नदी का जलस्तर, खेतों में भरा पानीय फसलें हो रही बर्बाद

बस्ती (एजेन्सी) उत्तर प्रदेश के बस्ती जिले में शनिवार को सरयूनदी का जलस्तर बढ़ने से कृषि योग्य जमीनों पर पानी भरना शुरू होने से किसानों के माथे पर चिंता की लकीरें नजर आने लगी है। वर्तमान समय में नदी का जलस्तर खतरे के बिन्दु 92.730 से 90.23 मीटर नीचे बह रहा है। शनिवार को केन्द्रीय जल आयोग अयोध्या के सूत्रों ने यह जानकारी देते हुए बताया है कि सरयू नदी का जलस्तर खतरे के बिन्दु 92.730 मीटर से अभी बहुत नीचे है, लेकिन नदी का जलस्तर निरन्तर बढ़ रहा है। इससे कृषि योग्यजमीनों पर नदी का पानी भरता चला जा रहा है। नदी के किनारे बसेलोलपुर–विक्रमजोत तटबन्ध के समीप कुछ ही दूरी पर कटान से कृषि योग्यजमीने डूब गयी है और सब्जी की फसल बर्बाद हो रही है। बाढ़ खण्ड द्वाराबन्धों के निरन्तर निगरानी किया जा रहा है तटबन्धों को बचाने के लिए उस पर कार्य चल रहा है। नदी के किनारे रानीपुर कठिनाइया गांव में नदी के पानी ने लगभग 25 बीघा सब्जी तथा जायद की फसलों को समाप्त कर चुकी है। विक्रमजोत के एलबी तटबन्ध के समीप रानीपुर कठिनइयां गांव के समीप नदी दबाव बनाकर कटान कर रही है, कटान को रोकने के लिए ठोस उपाय किया जा रहा है। शनिवार को जलस्तर में ठहराव के बाद बाढखण्ड ने राहत की सांस लेते हुए मरम्मत कार्यो को और तेजी से करवाना शुरू कर दिया है।

शीला पांडे की नव प्रकाशित पुस्तक अपने हिस्से का युद्ध का हुआ विमोचन

लखनऊ, (एजेन्सी)। चर्चित लेखिका एवं साहित्यिक सांस्कृतिक संस्था श्आकाशगंगाश न्यास की अध्यक्ष शीला पांडे की नव प्रकाशित पुस्तक अपने हिस्से का युद्ध (स्त्री विमर्श) पर एक परिचर्चा गोष्ठी का आयोजन कैफी आजमी एकेडमी के सेमिनार सभागार में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम के अध्यक्ष एवं वरिष्ठ आलोचक डॉ0 इंदीवर पांडेय,मुख्य अतिथि एवं मुख्य वक्ता पूर्व कुलपति लखनऊ विश्वविद्यालय, समाज सेविका एवं साहित्यकार डॉ0 रूपरेखा वर्मा,विशिष्ट अतिथि एवं विशेष वक्ता साहित्यकार श्री सत्येंद्र कुमार रघुवंशी,विशिष्ट अतिथि एवं वक्ता डॉ0 रीता चौधरी एवं लेखक शीला पांडे ने पुस्तक पर अपने–अपने विचार व्यक्त किये। कार्यक्रम का संचालन डॉ0 अजीत प्रियदर्शी ने किया।कार्यक्रम का प्रारम्भ दीप प्रज्जवलन वाणी वंदना से हुआ। स्वागत वक्तव्य डॉ0 रविशंकर पाण्डेय ने दिया। डॉ0 रूपरेखा वर्मा ने पुस्तक पर अपना मत रखते हुए कहा कि शीला पांडे की पुस्तक अपने हिस्से का युद्ध विभिन्न स्तरों पर स्त्रियों के जीवन की विषमताओं और इन विषमताओं से उपजे संघर्षों को उजागर करती है। पुस्तक का हर अध्याय स्त्री के आंतरिक संसार को उजागर करता है और पुरुष वर्चस्व को खंडित करने की आवाज उठाता है।कई शाब्दियों से इस तरह के स्वर तरह –तरह से मुखर हो रहे हैं।ये अच्छा है कि महिलायें अपनी जिंदगी का इतिहास खुद लिख रही हैं अपनी बाधाओं को पहचान रही हैं। और भी बेहतर होता अगर उस मानसिक और सामाजिक संरचना का भी विश्लेषण होता जिसके कारण पुरुष बनाम स्त्री का अस्वस्थ ष्युद्धष शुरू कर दिया जाता है और ये पहचाना जाता कि वास्तव में पुरुष से नहीं वरन उस संरचना से ही हमें लड़ना है। कार्यक्रम के अध्यक्ष डॉ0 इंदीवर पाण्डेय ने श्अपने हिस्से का युद्धश पुस्तक पर चर्चा करते हुए कहा कि शीला पांडे जीवन की अनुभूतियों को आत्मसात करने वाली और उसे अभिव्यक्त करने वाली एक प्रबुद्ध लेखिका हैं उनके लेखन का मूल विषय सामाजिक सरोकारों के विश्लेषण का है। उन्होंने अपने गीतों में,आलेखों में, और वाचिक अभिव्यक्ति में स्त्री– जीवन की विडंबनाओं को हमेशा उकेरा है। यह किताब श्अपने हिस्से का युद्ध स्त्री–विमर्श की दिशा में विचार और विश्लेषण का एक अभिनव प्रयास है। इस पुस्तक में शीला ने स्त्री–विमर्श की नई अवधारणा प्रस्तुत की है। उन्होंने स्त्री– विमर्श को परिभाषित करते हुए बताया है कि स्त्री विमर्श का अर्थ उसके विचारों एवं उसकी मानसिकता की सूक्ष्म तत्वों की समझ है।उसे न समझ पाना और बिना समझे अपनी ही बनाई हुई पुरुष प्रधान जड़ व्यवस्था की जकड़बन्दी में स्त्री को ले चलने का प्रयास उसके साथ मानसिक प्रताड़ना है जिसके निशान दिखाई नहीं पड़ते लेकिन उसके समूचे जीवन में कैंसर की तरह घाव करते रहते हैं। सत्येंद्र कुमार रघुवंशी ने कहा कि अपनी पुस्तक अपने हिस्से का युद्ध में लेखिका शीला पाण्डे आधी आबादी के जुझारूपन,अस्मिता–बोध और स्वतन्त्रचेता मन की बात करती हैं और तार्किक एवं असरदार ढंग से उन मुद्दों को उठाती हैं जिनकी ओर पुरुष–समाज का ध्यान शिद्दत से जाना चाहिए। स्त्री–जीवन की कठिनाइयों और समाज–जनित गुत्थियों में झाँकती हुई वह स्त्री–सामर्थ्य के अर्जन पर जोर देती हैं। स्त्री–जगत् के संघर्ष और जिजीविषा–बोध को इतने व्यापक फलक पर व्यवहृत करना आसान नहीं था।इस कार्य को लेखिका ने एक तेवर और एक अपूर्व धैर्य के साथ अंजाम दिया है जिसके परिणामस्वरूप एक सुचिन्तित और विचारोत्तेजक पुस्तक सामने आयी है। इस महत्वपूर्ण लेखन हेतु लेखिका बधाई की पात्र है।

ईरान के विदेश मंत्री ने ट्रंप को दी चेतावनी, कहा, खामेनेई का अपमान न करें, नहीं तो अपनी ताकत दिखा देंगे

तेहरान (एजेन्सी) ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा ईरान और उसके सुप्रीम लीडर अयातुल्ला खामेनेई पर किए गए विवादास्पद बयान का कड़ा जवाब दिया है। अराघची ने कहा कि अगर ट्रंप सचमुच ईरान से समझौता करना चाहते हैं, तो उन्हें अपमानजनक भाषा से बचना चाहिए और खामेनेई के प्रति सम्मान दिखाना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि इजरायल को ईरान से बचने के लिए "डैडी" के पास भागना पड़ा था और जरूरत पड़ने पर ईरान अपनी असली ताकत दिखाने में पीछे नहीं हटेगा। यह बयान ट्रंप के उस ट्वीट के जवाब में आया है, जिसमें उन्होंने लिखा था कि युद्ध हारने के बावजूद ईरान और खामेनेई खुद को विजेता घोषित कर रहे हैं। ट्रंप ने कहा कि अगर अमेरिका चाहता तो खामेनेई को इजरायल मार देता, लेकिन अमेरिका ने उसे मौत से बचाया। इसके बावजूद खामेनेई आभार जताने के बजाय विरोध कर रहे हैं। यह विवाद ईरान और इजरायल के बीच हाल ही में हुए 12 दिन के संघर्ष और सीजफायर के बाद बढ़ा है। दोनों देशों के बीच मिसाइल हमले और जवाबी हमलों में भारी नुकसान हुआ। इस दौरान अमेरिका ने ईरान के तीन प्रमुख परमाणु ठिकानों पर बमबारी की, जिस पर ईरान ने ईराक और कतर में अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर हमला किया। 13वें दिन अमेरिका की मध्यस्थता में दोनों पक्षों ने सीजफायर पर सहमति जताई। ईरान के सुप्रीम लीडर खामेनेई ने भी कहा है कि अमेरिका ईरान के परमाणु ठिकानों को हुए नुकसान को बढ़ा–चढ़ाकर पेश कर रहा है और यदि अमेरिका ने फिर हमला किया तो ईरान पहले से भी बड़ा हमला करेगा। ट्रंप ने इस बयान को खारिज करते हुए कहा कि अब अमेरिका ईरान से कोई सौदा नहीं करेगा और प्रतिबंधों में कोई नरमी नहीं बरतेगा। साथ ही उन्होंने चेतावनी दी कि यदि ईरान ने परमाणु हथियार बनाए तो अमेरिका पहले से अधिक सख्त कार्रवाई करेगा।

इजरायल ने यूएन महासचिव के बयान को नकारा, कहा-आईडीएफ कभी भी नागरिकों को निशाना नहीं बनाता

तेल (एजेन्सी) अवीव इजरायल के विदेश मंत्रालय ने शनिवार को संयुक्त राष्ट्र (यूएन) के महासचिव एंटोनियो गुटेरेस के बयानों की आलोचना की है। गुटेरेस ने गाजा में भेजी जा रही मानवीय मदद को लेकर इजरायल को जिम्मेदार ठहराया था और वहां युद्धविराम की अपील की थी। मंत्रालय ने यह भी कहा कि इजराइल रक्षा बल (आईडीएफ) नागरिकों पर हमला नहीं करता है। गुटेरेस ने कहा था कि गाजा में हालात बेहद भयानक हैं, लोग सिर्फ अपने और अपने परिवार के लिए खाना जुटाने की कोशिश में मारे जा रहे हैं, और किसी के लिए खाना तलाशना मौत की सजा नहीं होना चाहिए। यूएन महासचिव ने गाजा मानवीय सहायता संगठन (जीएचएफ) पर कथित हमलों की भी चर्चा की और कहा कि अंतरराष्ट्रीय कानून का बार–बार उल्लंघन हो रहा है, और ऐसा होने पर जिम्मेदारी तय होनी चाहिए। इजरायल के विदेश मंत्रालय ने सोशल मीडिया 'एक्स' पर कहा कि संयुक्त राष्ट्र की विफलताओं और हमास की करतूत के लिए इजरायल को दोषी ठहराना एक जानबूझकर की गई रणनीति है। जीएचएफ अब तक फिलिस्तीनी नागरिकों को सीधे 46 मिलियन से अधिक भोजन उपलब्ध करा चुका है, हमास को नहीं। फिर भी संयुक्त राष्ट्र इस प्रयास का विरोध करने के लिए हर संभव प्रयास कर रहा है। इजरायल ने कहा कि यूएन इस तरह हमास का साथ दे रहा है, जबकि हमास खुद जीएचएफ के राहत कार्यों में बाधा डालता है। मंत्रालय ने कहा, "इजरायल की सेना (आईडीएफ) कभी भी आम नागरिकों को निशाना नहीं बनाती। जो ऐसा कहता है, वह झूठ बोल रहा है। यह हमास है जो जानबूझकर जीएचएफ सहायता कर्मियों को निशाना बना रहा है और उनकी हत्या कर रहा है – एक ऐसा अपराध जिसकी संयुक्त राष्ट्र ने कभी निंदा नहीं की है और वह उन नागरिकों को भी निशाना बना रहा है जो जीएचएफ से सहायता प्राप्त करने की कोशिश कर रहे हैं। मंत्रालय ने यह भी पूछा, "यूएन को तय करना होगा कि वह अपनी व्यवस्था बनाए रखना चाहता है, जो हमास को फायदा देती है और युद्ध बढ़ाती है, या फिर सच में गाजा के आम लोगों तक मदद पहुंचाना चाहता है?" इसके अलावा, इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू और रक्षा मंत्री इजरायल काट्ज ने कहा कि सेना को साफ आदेश हैं कि निर्दोष लोगों को नुकसान न पहुंचे। उन्होंने हारेत्ज अखबार में प्रकाशित एक रिपोर्ट को गलत बताया जिसमें कहा गया था कि आईडीएफ के सैनिकों को बिना हथियार वाले गाजा नागरिकों पर जानबूझकर गोली चलाने का आदेश दिया गया है।

जीतन राम मांझी का तेजस्वी पर बड़ा हमला, बिहार में रेप और मर्डर के लिए राजद को ठहराया जिम्मेदार

पटना (एजेन्सी) केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी ने आज मीडिया से बात करते हुए एक के बाद एक कई बड़े बयान दिए। मांझी ने दावा किया कि बिहार में जितनी भी रेप और मर्डर की घटनाएं हो रही हैं, उनके पीछे राजद से जुड़े लोग हैं। उन्होंने तेजस्वी यादव पर हमला बोलते हुए कहा कि तेजस्वी युवाओं को कलम की बजाय तलवार पकड़ाना चाहते हैं, जबकि उनके पिता लाठी में तेल पिलाने का काम करते थे। वोटर लिस्ट पुनरीक्षण को लेकर मांझी ने कहा कि कुछ इलाकों में 25 से 30 हजार फर्जी वोटर हैं। जब ये हटेंगे, तब उन्हीं लोगों को डर होगा जो सच बोलने वालों को किसी बात का डर नहीं होना चाहिए। चिराग पासवान के सम्मेलन पर मांझी ने कहा कि चिराग एनडीए को मजबूत करने की कोशिश में जुटे हैं। तेजस्वी यादव की 20 महीने की मुख्यमंत्री पद की मांग को मांझी ने खारिज किया और कहा कि इस मांग से कुछ हासिल होने वाला नहीं है। साथ ही यह भी आरोप लगाया कि 70 फीसदी जमीनों पर राजद समर्थकों का कब्जा है और अगर उन्हें मौका मिला तो बिहार की हालत और बदतर हो जाएगी। पश्चिम बंगाल में रेप की घटना पर ममता बनर्जी को जिम्मेदार ठहराते हुए मांझी ने कहा कि ममता को इस्तीफा देकर जवाबदेही लेनी चाहिए।

सम्पादकीय

लोकतंत्र के लिए ठीक नहीं विदेश नीति पर सस्ती राजनीति

कांग्रेस और कुछ अन्य विपक्षी दलों को मोदी सरकार की विदेश नीति रास नहीं आ रही है। यह कोई नई–अनोखी बात नहीं। ऐसा पहले भी होता रहा है, लेकिन पहले आमतौर पर उस पर आम सहमति कायम होती थी, क्योंकि माना जाता था कि विदेश नीति सत्तारूढ़ दल की की नहीं, देश की होती है। अतीत में इस मान्यता के कुछ अपवाद भी दिखे। विदेश नीति के मामले में जो अपवाद हुआ करता था, वह अब नियम बन गया है। जब भाजपा विपक्ष में थी, तो उसे भी मनमोहन सरकार की विदेश नीति के कुछ मुद्दों पर गहरी आपत्ति थी। परमाणु उत्तरदायित्व विधेयक लंबे समय तक इसलिए विवादों से घिरा रहा, क्योंकि भाजपा और अन्य विपक्षी दलों को उसके कुछ प्रविधान पसंद नहीं थे। यह विधेयक कुछ संशोधनों के साथ पारित होकर कानून तो बना, लेकिन कहा जाता है कि इन संशोधनों के कारण ही विदेशी कंपनियों ने भारत में परमाणु रिएक्टर लगाने में रुचि नहीं दिखाई। जो भी हो, कुछ समय पहले मोदी सरकार ने यह संकेत दिया कि विदेशी परमाणु ऊर्जा कंपनियों को आकर्षित करने के लिए उक्त कानून में कुछ बदलाव हो सकता है। इस पर कांग्रेस ने भाजपा के 2010 के रवैये का हवाला देते हुए कहा था कि उसने तो यू–टर्न ले लिया। 2014 में मोदी सरकार के सत्ता में आने के बाद उसकी विदेश नीति पर लेकर विपक्ष की आपत्तियां लगातार बढ़ती और तीखी होती गई हैं। पाकिस्तान और चीन पर मोदी सरकार की नीति पर तो कुछ ज्यादा ही सवाल उठे। जब जम्मू–कश्मीर से अनुच्छेद 370 निष्प्रभावी किया गया तो देश–दुनिया में हलचल मची। एक समय कांग्रेस के ही नेता कहते थे कि यह अनुच्छेद घिसते–घिसते खत्म हो जाएगा, लेकिन मोदी सरकार ने जब उसे सचमुच खत्म कर दिया तो राहुल गांधी समेत कई विपक्षी नेताओं ने ऐसे बयान दिए, जो पाकिस्तान को अच्छे लगे। इसके पहले डोकलाम विवाद के समय भी कांग्रेस ने मोदी सरकार को कठघरे में खड़ा किया था। राहुल गांधी तो विदेश मंत्रालय को सूचना दिए बिना चीनी दूतावास चले गए थे। इसे लेकर हंगामा मचा तो कांग्रेस की ओर से कहा गया कि वह मामले को समझने गए थे। फिर गलवन में चीनी सैनिकों से खूनी झड़प के बाद भी कांग्रेस समेत कई विपक्षी दलों ने मोदी सरकार को घेरा। राहुल गांधी और कुछ अन्य नेता यदा–कदा कहते रहते हैं कि मोदी चीन से डरते हैं। पहलगाम में बर्बर आतंकी हमले के बाद राहुल गांधी एवं अन्य विपक्षी नेताओं ने पर्यटकों की सुरक्षा में कमी के सही सवाल उठाकर कठिन वक्त में भारत सरकार के साथ खड़े होने का अच्छा संदेश दिया, लेकिन पाकिस्तान को सबक सिखाने वाले आपरेशन सिंदूर खत्म होते ही उनके सुर बदल गए। ये सुर पाकिस्तान में गूंजने लगे। आपरेशन सिंदूर के अचानक स्थगन और उसका श्रेय ट्रंप की ओर से लेने पर विपक्ष और अन्य अनेक ने उचित ही आपत्ति जताई। इस पर सरकार को भी कहना पड़ा कि ट्रंप सही नहीं। फिर एक दिन आपरेशन सिंदूर पर विदेश मंत्री जयशंकर के बयान को लेकर राहुल गांधी ने उन्हें घेरा और यह पूछा कि वे बताएं कि उनके कारण भारतीय सेना ने पाकिस्तान के खिलाफ सैन्य कार्रवाई में अपने कितने लड़ाकू विमान खोए? विदेश मंत्रालय ने स्पष्टीकरण दिया, लेकिन कांग्रेस को वह रास नहीं आया। उसके एक प्रवक्ता ने यह कहा कि विदेश मंत्री ने आतंकियों को बचाने का पाप किया है। पाकिस्तान को यह अच्छा लगा। यह भी याद करें कि पाकिस्तान के खिलाफ सर्जिकल और एयर स्ट्राइक पर कैसे सवाल उठाए गए थे और उन्हें पाकिस्तान में कितना पसंद किया गया था। ऐसे सवाल विरोध के लिए विरोध की राजनीति का ही परिचय देते हैं। दुर्भाग्य से अब विदेश नीति पर भी ऐसी ही राजनीति होती है। इससे कोई इन्कार नहीं कर सकता कि ट्रंप भारत–पाकिस्तान के बीच संघर्ष विराम का श्रेय लेने की सनक से ग्रस्त हैं। इतना अधिक कि कनाडा गए प्रधानमंत्री मोदी को उनसे फोन पर दो टूक बात करनी पड़ी। इसका सार यही था कि ट्रंप झूठ बोल रहे हैं। उनके झूठ से और पाकिस्तान प्रेम से भारत निपट ही रहा था कि इजरायल–ईरान जंग ने भारत का संकट बढ़ा दिया। इजरायल–ईरान जंग पर मोदी सरकार के रवैये पर सोनिया गांधी ने एक लेख लिखा। उन्होंने गाजा संकट एवं ईरान–इजरायल युद्ध पर मोदी सरकार पर चुप रहने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि अभी समय है। सरकार को अपनी नीति बदलनी चाहिए। फिर ईरान–इजरायल युद्ध में ट्रंप ने कूदकर भारत और पूरी दुनिया का संकट बढ़ाया। भारत सरकार ने रूस–यूक्रेन युद्ध की तरह से इजरायल–ईरान जंग पर भी तटस्थ रहना तय किया। तटस्थता की यह नीति कई विपक्षी दलों को अच्छी नहीं लग रही। वाम दलों को तो बिल्कुल भी नहीं, लेकिन कांग्रेस भी इस नीति से खुश नहीं। क्या भारत को सबसे पहले अपने हित की चिंता नहीं करनी चाहिए, जैसा अन्य तमाम देश कर रहे हैं? आखिर भारत को इजरायल और ईरान में किसके साथ खड़ा होना चाहिए? दोनों से तो भारत के अच्छे संबंध हैं।

उच्च शिक्षा में कुछ अच्छा होता हुआ, शिक्षा संस्थानों पर भी ध्यान देना चाहिए

ईरान–इजरायल युद्ध के बीच शिक्षा क्षेत्र में भारत की एक उपलब्धि दबकर सी रह गई। क्यूएस (क्वाक्वेरेली साइमंड्स) वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग–2026 में भारत ने अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया है। इस वर्ष इसमें 106 देशों के कुल 1,501 शिक्षा संस्थानों को स्थान मिला, जिनमें 112 संस्थान पहली बार सम्मिलित हुए हैं। भारत के 54 संस्थानों को इस प्रतिष्ठित सूची में स्थान मिला, जो अब तक का रिकार्ड है। यह संख्या भारत को न केवल जर्मनी (48) और जापान (47) जैसे देशों से आगे ले जाती है, बल्कि इसे अमेरिका, ब्रिटेन और चीन के बाद चौथा सर्वाधिक प्रतिनिधित्व वाला देश भी बना देती है। उल्लेखनीय है कि वर्ष 2014 में भारत के केवल 11 संस्थान इस सूची में थे। यानी पिछले एक दशक में भारत ने लगभग पांच गुना वृद्धि दर्ज की है। इस वृद्धि में न केवल कई आइआइटी, भारतीय विज्ञान संस्थान, बेंगलुरु, दिल्ली विश्वविद्यालय, अन्ना विश्वविद्यालय, जेएनयू जैसे पारंपरिक एवं सरकारी संस्थानों–विश्वविद्यालयों ने योगदान दिया है, बल्कि कई निजी विश्वविद्यालयों ने भी अपनी उपस्थिति दर्ज कराई है। आठ भारतीय शिक्षा संस्थान पहली बार इस सूची में शामिल हुए हैं। यह भारतीय उच्च शिक्षा की गुणवत्ता और वैश्विक प्रतिस्पर्धा में बढ़ती भागीदारी का एक संकेत भी है। इस उपलब्धि पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का यह वक्तव्य प्रासंगिक प्रतीत होता है, 'क्यूएस वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग्स हमारी शिक्षा व्यवस्था के लिए शानदार खबर लेकर आई है।

हमारी सरकार भारत के युवाओं के लाभ के लिए शोध और नवाचार के इकोसिस्टम को मजबूत करने के लिए प्रतिबद्ध है। क्यूएस वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग उच्च शिक्षा की दुनिया की सबसे प्रतिष्ठित और व्यापक रूप से संदर्भित रैंकिंग्स में से एक मानी जाती है। इसके अंतर्गत शिक्षा संस्थानों का मूल्यांकन नौ संकेतकों के आधार पर किया जाता है, जिनमें शैक्षणिक प्रतिष्ठा, नियोक्ता प्रतिष्ठा, फैकल्टी–छात्र अनुपात, छात्र अनुपात, रोजगार परिणाम, अंतरराष्ट्रीय शोध नेटवर्क जैसे मानक शामिल हैं। उच्च शिक्षा में हुए हालिया सुधारों के पीछे कई महत्वपूर्ण कदम रहे हैं। राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020 की संस्तुतियों का व्यवस्थित क्रियान्वयन, शोध, अनुसंधान और नवाचार को निरंतर प्रोत्साहन तथा वैश्विक साझेदारियों और प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा देने की दिशा में गंभीर पहल की गई है। साथ ही हर स्तर पर तकनीकी दक्षता और व्यावसायिक कौशल को बढ़ावा दिया गया है। शिक्षा और उद्योग जगत के बीच की खाई पाटने, प्रवेश, फैकल्टी और विषय चयन की प्रक्रिया को अधिक लचीला बनाने, विश्वविद्यालय परिसरों में विविधता और समावेशन की भावना को प्रोत्साहित करने और रोजगारोन्मुखी शिक्षा को सुदृढ़ करने जैसे कई निर्णायक कदम उठाए गए हैं। शिक्षा के मोर्चे पर हो रहे व्यापक प्रयासों का ही परिणाम है कि आज भारत के आठ संस्थान प्रति फैकल्टी उद्धरण श्रेणी में विश्व के शीर्ष 100 संस्थानों में शामिल हो चुके हैं। इस मानदंड पर भारत ने अमेरिका और ब्रिटेन जैसे देशों को भी पीछे छोड़ दिया है। इसी प्रकार नियोक्ता प्रतिष्ठा के मापदंड पर हमारे पांच विश्वविद्यालय वैश्विक शीर्ष 100 में स्थान पाने में सफल हुए हैं,।

विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनेगा भारत

प्रहलाद सबनानी

अतः भारत इस मामले में विश्व के विकसित देशों से बहुत अधिक पिछड़ गया है। परंतु, अब भारत में गरीबी रेखा से नीचे जीवन यापन करने वाले नागरिकों की संख्या में तेजी से कमी हो रही है तथा साथ ही अतिधनाडय एवं मध्यमवर्गीय परिवारों की संख्या बहुत तेजी से बढ़ रही है, जिससे अब उम्मीद की जानी चाहिए कि आगे आने वाली समय में भारत में भी प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद में तेज गति से वृद्धि होगी। विश्व की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था, अमेरिका में सेवा क्षेत्र इसकी सबसे बढ़ी ताकत है।

जापान की अर्थव्यवस्था को पीछे छोड़ते हुए भारत आज विश्व की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है और संभवत आगामी लगभग दो वर्षों के अंदर जर्मनी की अर्थव्यवस्था से आगे निकलकर विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा। विश्व की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं की अपनी अपनी विशेषताएं हैं, जिसके आधार पर यह अर्थव्यवस्थाएं विश्व में उच्च स्थान पर पहुंची हैं एवं इस स्थान पर बनी हुई हैं। प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद के मामले में आज भी कई विकसित देश भारत से आगे हैं। इन समस्त देशों के बीच चूंकि भारत की आबादी सबसे अधिक अर्थात 140 करोड़ नागरिकों से अधिक है, इसलिए भारत में प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद बहुत कम है। अमेरिका के सकल घरेलू उत्पाद का आकार 30.51 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर है और प्रति ब्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद 89,110 अमेरिकी डॉलर हैं। इसी प्रकार, चीन के सकल घरेलू उत्पाद का आकार 19.23 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर है और प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद 13,690 अमेरिकी डॉलर है और जर्मनी के सकल घरेलू उत्पाद का आकार 4.74 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर है और प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद 55,910 अमेरिकी डॉलर है। यह तीनों देश सकल घरेलू उत्पाद के आकार के मामले में आज भारत से आगे हैं। भारत के सकल घरेलू उत्पाद का आकार 4.19 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर है तथा प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद केवल 2,880 अमेरिकी डॉलर है। भारत के पीछे आने वाले देशों में हालांकि सकल घरेलू उत्पाद का आकार कम जरूर है परंतु प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद के मामले में यह देश भारत से बहुत आगे हैं। जैसे जापान के सकल घरेलू उत्पाद का आकार 4.18 लाख करोड़ है और प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद 33,960 अमेरिकी डॉलर है। ब्रिटेन के सकल घरेलू उत्पाद का आकार 3.84 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर और प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद 54,950 अमेरिकी डॉलर है। फ्रान्स के सकल घरेलू उत्पाद का आकार 3.21 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर है और प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद 46,390 अमेरिकी डॉलर है। इटली के सकल घरेलू उत्पाद का आकार 2.42 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर है और प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद 41,090 अमेरिकी डॉलर है। कनाडा के सकल घरेलू उत्पाद का आकार 2.23 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर है और प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद 53,560 अमेरिकी डॉलर है। ब्राजील के सकल घरेलू उत्पाद का आकार 2.13 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर और प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद 9,960 अमेरिकी डॉलर है। सकल घरेलू उत्पाद के आकार के मामले में विश्व की सबसे बड़ी 10 अर्थव्यवस्थाओं में भारत शामिल होकर चौथे स्थान पहुंच जरूर गया है परंतु प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद के मामले में भारत इन सभी अर्थव्यवस्थाओं से अभी भी बहुत पीछे है। इस सबके पीछे सबसे बड़े कारणों में शामिल है भारत द्वारा वर्ष 1947 में राजनैतिक स्वतंत्रता प्राप्ति पश्चात, आर्थिक विकास की दौड़ में बहुत अधिक देर के बाद शामिल होना। भारत में आर्थिक सुधार कार्यक्रमों की शुरुआत वर्ष 1991 में प्रारम्भ जरूर हुई परंतु इसमें इस क्षेत्र में तेजी से कार्य वर्ष 2014 के बाद ही प्रारम्भ हो सका है। इसके बाद, पिछले 11 वर्षों में परिणाम हमारे सामने हैं और भारत विश्व की 11वीं अर्थव्यवस्था से छलांग लगते हुए आज 4थी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है। दूसरे, इन देशों की तुलना में भारत की जनसंख्या का बहुत अधिक होना, जिसके चलते सकल घरेलू उत्पाद का आकार तो लगातार बढ़ रहा है परंतु प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद अभी भी अत्यधिक दबाव में है। अमेरिका में तो आर्थिक क्षेत्र में सुधार कार्यक्रम 1940 में ही प्रारम्भ हो गए थे एवं चीन में वर्ष 1960 से प्रारम्भ हुए। अतः भारत इस मामले में विश्व के विकसित देशों से बहुत अधिक पिछड़ गया है। परंतु, अब भारत में गरीबी रेखा से नीचे जीवन यापन करने वाले नागरिकों की संख्या में तेजी से कमी हो रही है तथा साथ ही अतिधनाडय एवं मध्यमवर्गीय परिवारों की संख्या बहुत तेजी से बढ़ रही है, जिससे अब उम्मीद की जानी चाहिए कि आगे आने वाली समय में भारत में भी प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद में तेज गति से वृद्धि होगी। विश्व की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था, अमेरिका में सेवा क्षेत्र इसकी सबसे बढ़ी ताकत है। अमेरिका में केवल 2 प्रतिशत आबादी ही कृषि क्षेत्र पर निर्भर है और अमेरिका की अधिकतम आबादी उच्च तकनीकी का उपयोग करती है जिसके कारण अमेरिका में उत्पादकता अपने उच्चत्तम स्तर पर है। पेट्रोलीयम पदार्थों एवं रक्षा उत्पादों के निर्यात के मामले में अमेरिका आज पूरे विश्व में प्रथम स्थान पर है।

वर्ष 2024 में अमेरिका ने 2.08 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर मूल्य के बराबर का सामान अन्य देशों को निर्यात किया है, जो चीन के बाद विश्व के दूसरे स्थान पर है। तकनीकी वर्चस्व, बौद्धिक सम्पदा एवं प्रौद्योगिकी नवाचार ने अमेरिका को विकास के मामले में बहुत आगे पहुंचा दिया है। टेक्निकल नवाचार से जुड़ी विश्व की पांच शीर्ष कम्पनियों में से चार, यथा एप्पल, एनवीडिया, माक्रोसोफ्ट एवं अल्फाबेट, अमेरिका की कम्पनियां हैं। इन कम्पनियों का संयुक्त बाजार मूल्य 12 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर से भी अधिक है, जो विश्व के कई देशों के सकल घरेलू उत्पाद से बहुत अधिक है। अतः अमेरिका के नागरिकों ने बहुत तेजी से धन सम्पदा का संग्रहण किया है इसी के चलते प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद अमेरिका में बहुत अधिक है। द्वितीय विश्वयुद्ध के बाद वर्ष 1944 में अमेरिका के ब्रेटन वुड्ज नामक स्थान पर हुई एतिहासिक बैठक में विश्व के 44 देशों ने वैश्विक वित्तीय व्यवस्था के नए ढांचे पर सहमति जताते हुए अपने देश की मुद्रा को अमेरिकी डॉलर से जोड़ दिया था।

इसके बाद से वैश्विक अर्थव्यवस्था में अमेरिकी डॉलर का दबदबा बना हुआ है। आज विश्व का लगभग 80 प्रतिशत अंतरराष्ट्रीय बैंकिंग लेन देन अमेरिकी डॉलर में होता है। अमेरिका के बाद विश्व की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था चीन को पूरे विश्व का विनिर्माण केंद्र कहा जाता है क्योंकि आज पूरे विश्व के औद्योगिक उत्पादन का 31 प्रतिशत हिस्सा चीन में निर्मित होता है। चीन में पूरे विश्व की लगभग समस्त कम्पनियों ने अपनी विनिर्माण इकाईयां स्थापित की हुई हैं। चीन के सकल घरेलू उत्पाद में विनिर्माण इकाईयों का योगदान 27 प्रतिशत से अधिक हैं। पूरे विश्व में आज उत्पादों के निर्यात के मामले में प्रथम स्थान पर है। विभिन्न उत्पादों का निर्यात चीन की आर्थिक शक्ति का प्रमुख आधार है। सस्ती श्रम लागत के चलते चीन में उत्पादित वस्तुओं की कुल लागत तुलनात्मक रूप से बहुत कम होती है। वर्ष 2024 में चीन का कुल निर्यात 3.57 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर से अधिक का रहा है। विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था अर्थात जर्मनी ने पिछले एक वर्ष में 25,000 पेटेंट अर्जित किए हैं। जर्मनी को, ऑटोमोबाइल उद्योग ने, पूरे विश्व में एक नई पहचान दी है। चार पहिया वाहनों के उत्पादन एवं निर्यात के मामले में जर्मनी पूरे विश्व में प्रथम स्थान पर है। जर्मनी में निर्मित चार पहिया वाहनों का 70 प्रतिशत हिस्सा निर्यात होता है। यूरोपीय यूनियन के देशों की सड़कों पर दौड़ने वाली हर तीसरी कार जर्मनी में निर्मित होती है। जर्मनी विश्व का तीसरा सबसे बड़ा निर्यातक देश है, जिसने 2024 में 1.66 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर मूल्य के बराबर राशि के उत्पाद एवं सेवाओं का निर्यात किया था। मुख्य निर्यात वस्तुओं में मोटर वाहनों के अलावा मशीनरी, रसायन और इलेक्ट्रिक उत्पाद शामिल हैं। आज भारत सकल घरेलू उत्पाद के आकार के मामले में विश्व में चौथे पर पहुंच गया है परंतु भारत को प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद के मामले में जबरदस्त सुधार करने की आवश्यकता है। भारत पूरे विश्व में आध्यात्म के मामले में सबसे आगे है अतः भारत को धार्मिक पर्यटन को सबसे तेज गति से आगे बढ़ाते हुए युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर निर्मित करने चाहिए जिससे नागरिकों की आय में वृद्धि करना आसान हो।

दूसरे, भारत में 80 करोड़ आबादी का युवा (35 वर्ष से कम आयु) होना भी विकास के इंजिन के रूप में कार्य कर सकता है। भारत की विशाल आबादी ने भारत को विश्व की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनाने में अपना योगदान दिया है। भारत की अर्थव्यवस्था में विविधता झलकती है और यह केवल कुछ क्षेत्रों पर निर्भर नहीं है। भारतीय अर्थव्यवस्था में कृषि क्षेत्र का योगदान 16 प्रतिशत है तथा रोजगार के अधिकतम अवसर भी कृषि क्षेत्र से ही निकलते हैं, जिसके चलते प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद विपरीत रूप से प्रभावित होता है।

ट्रंप से अब और सावधान हो जाए भारत

शुरुआत में अमेरिका इस लड़ाई में कूदने से हिचक रहा था, पर ईरान की जवाबी कार्रवाई से घिरे इजरायल की मदद के लिए आखिरकार राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को अमेरिकी वायु सेना को ईरान के परमाणु ठिकानों पर हमले के आदेश देने ही पड़े। इसके बावजूद ईरानी परमाणु कार्यक्रम के पूरी तरह ध्वस्त होने को लेकर संदेह है। वैसे भी ईरान की मिसाइल क्षमता आशा से कहीं अधिक निकली। युद्ध लंबा खिंचने पर इजराइल में कहीं अधिक बर्बादी हो सकती थी। इसी कारण ट्रंप ने आनन–फानन युद्ध विराम का एलान भी कर दिया और वह भी अपने व्यापक लक्ष्यों की पूर्ति के बिना, क्योंकि न तो ईरान का परमाणु कार्यक्रम पूरी तरह नष्ट हो पाया और न ही वहां सत्ता परिवर्तन के कोई आसार दिख रहे।

दिव्य कुमार सोती

कुछ दिनों के भीषण युद्ध के बाद इजरायल और ईरान के बीच संघर्ष विराम हो गया। कहना मुश्किल है कि यह संघर्ष विराम कितने समय तक टिकेगा? ईरान पर हमला बोलते समय इजरायल ने यह कहा था कि उसका उद्देश्य ईरानी परमाणु कार्यक्रम को समाप्त करना है। उसे कुछ आरंभिक सफलता भी हासिल हुई। उसके अचानक हमले में ईरान के कई शीर्ष सैन्य कमांडर और परमाणु विज्ञानी मारे गए। शुरुआती सफलता के बीच इजरायल ने कहना शुरू कर दिया कि हमले के पीछे उसके उद्देश्य बड़े हैं और एक उद्देश्य ईरान में सत्ता परिवर्तन का भी है। ईरान की सत्ता उन कट्टर मजहबी नेताओं के कब्जे में है, जो हमास–हिजबुल्ला का साथ देते हैं। इजरायल के समर्थन में अमेरिका के कई ताकतवर नवरूढ़िवादी सांसदों की आवाज भी उठने लगी। शुरुआत में अमेरिका इस लड़ाई में कूदने से हिचक रहा था, पर ईरान की जवाबी कार्रवाई से घिरे इजरायल की मदद के लिए आखिरकार राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को अमेरिकी वायु सेना को ईरान के परमाणु ठिकानों पर हमले के आदेश देने ही पड़े। इसके बावजूद ईरानी परमाणु कार्यक्रम के पूरी तरह ध्वस्त होने को लेकर संदेह है। वैसे भी ईरान की मिसाइल क्षमता आशा से कहीं अधिक निकली। युद्ध लंबा खिंचने पर इजराइल में कहीं अधिक बर्बादी हो सकती थी। इसी कारण ट्रंप ने आनन–फानन युद्ध विराम का एलान भी कर दिया और वह भी अपने व्यापक लक्ष्यों की पूर्ति के बिना, क्योंकि न तो ईरान का परमाणु कार्यक्रम पूरी तरह नष्ट हो पाया और न ही वहां सत्ता परिवर्तन के कोई आसार दिख रहे। हालांकि इसका यह अर्थ नहीं कि इजरायल और ट्रंप के मागा (मेक अमेरिकी ग्रेट अगेन) खेमे ने यह योजना सदा के लिए छोड़ दी है। सही मौका देखकर इसे फिर से क्रियान्वित करने का प्रयास होगा। वैसे तो अमेरिका को 'फिर से महान बनाने के अभियान' में लगा ट्रंप प्रशासन ईरान में सत्ता परिवर्तन के लिए किसी जमीनी युद्ध में नहीं उलझना चाहता, परंतु उसके इरादों को देखते हुए भारत को सतर्क होना होगा। भारत को सामरिक दृष्टिकोण से भी इस युद्ध के निहितार्थ समझने की आवश्यकता है। इजरायल–ईरान युद्ध के दौरान व्हाइट हाउस में ट्रंप की ओर पाकिस्तानी सेना प्रमुख आसिम मुनीर की आवभगत का एक गहरा अर्थ है। जब मुनीर व्हाइट हाउस में थे, लगभग उसी समय अमेरिकी मदद से सत्तासीन बांग्लादेश की भारत विरोधी मोहम्मद यूनुस सरकार के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार भी वाशिंगटन में अमेरिकी अधिकारियों से मिल रहे थे। दरअसल ट्रंप की मागा योजना के अंतर्गत अमेरिका का नए सिरे से जो उद्योगीकरण प्रस्तावित है, वह बिना चीन और रूस के पर कतरे और भारत को तंग किए बिना संभव नहीं है। इस योजना को सिरे चढ़ाना उतना आसान नहीं है, क्योंकि भूमंडलीकरण के नाम पर अमेरिका ने ही अधिक मुनाफा कमाने के फेर में अपनी कंपनियों को चीन, वियतनाम जैसे देशों में स्थापित कराया। अब जब तक इन देशों में अमेरिकी कंपनियों के लिए उत्पादन के मोर्चे पर चुनौतियां नहीं दिखतीं, तब तक उनकी स्वदेश वापसी मुश्किल है। फिर भी अपनी योजना को लेकर अमेरिकी नवरूढ़िवादियों और ट्रंप के कथित युद्धविरोधी मागा खेमे में एक राय है। इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए दो तरीके चुने गए हैं। पहला तरीका है ट्रेड और टैरिफ नीति के जरिये रूस, चीन के साथ–साथ भारत का भी आर्थिक संकट बढ़ाना। दूसरा तरीका है कट्टरपंथी इस्लामिक शक्तियों का अपने हित में इस्तेमाल करना। ट्रंप के चीनी वस्तुओं पर लगाए गए भारी टैरिफ के चलते चीन का अमेरिका को निर्यात काफी घटा है। यदि यह सिलसिला लंबे समय तक चला और चीन ने अपने निर्यात के लिए नए बाजार नहीं तलाशे तो वहां बड़ा औद्योगिक और सामाजिक संकट खड़ा हो सकता है। भारत चीन के विरुद्ध एक तरह से अमेरिका का सामरिक साझेदार है, लेकिन ट्रंप मात्र इतने से संतुष्ट नहीं। उन्हें भारत के रूप में एक लोकतांत्रिक मित्र राष्ट्र नहीं, बल्कि उनके हिसाब से चलने वाला देश चाहिए। भारत के अमेरिका के बताए रास्ते पर चलने से साफ इन्कार करने के बाद अब यह अमेरिका के एजेंडे में नहीं दिखता कि उसकी मदद से भारत चीन जैसी आर्थिक शक्ति बनकर खड़ा हो। यह अच्छा हुआ कि भारत ने साफ कर दिया कि उसे अमेरिका से व्यापार समझौते की जल्दी नहीं। ट्रंप ने हाल में यह भी कहा था कि भारत एक बड़ा देश है और वह अपने मसले खुद देख लेगा। ध्यान रहे एक अमेरिकी सीनटेर रूसी तेल खरीदने के चलते भारत पर 500 प्रतिशत तक टैरिफ लगाने की वकालत कर चुके हैं। पाकिस्तान को शह देते ट्रंप भी भारत–पाकिस्तान सीजफायर के मुद्दे को भी जब तब व्यापार से जोड़ते रहते हैं। इसके पीछे उनका भारत के लिए यही संदेश है कि अगर टैरिफ जैसे मुद्दों पर भारत ने अमेरिका की बात नहीं मानी तो उसे पाकिस्तान के मोर्चे पर और दिक्कतें झेलनी पड़ेंगी। यदि बांग्लादेश में भी अमेरिका लगातार इस्लामिक कट्टरपंथियों को बढ़ावा दे रहा है तो भारत को परेशान करने के लिए ही। इन परिस्थितियों में रूसी विदेश मंत्री द्वारा प्रस्तावित रूस, चीन और भारत का त्रिकोण अब प्रासंगिक लगता है। चीन भी अब इसे लेकर सजग हो रहा है। भारत और चीन के रिश्तों में बर्फ पिघलती देखी जा सकती है। हाल में शंघाई सहयोग संगठन के मंच पर भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल और चीनी विदेश मंत्री वांग यी की मुलाकात के बाद आए चीनी विदेश मंत्रालय के बयान में उल्लेख हुआ कि दोनों देश एक–दूसरे के प्रतिद्वंद्वी न होकर साझेदार हैं। जहां अमेरिकी टैरिफ के चलते चीन को एक बड़े बाजार की आवश्यकता है, वहीं भारत को त्वरित औद्योगिक विकास के लिए सस्ते कलपुर्जों की। दोनों देश एक दूसरे के पूरक बन सकते हैं। इसके बावजूद भारत को अपने सुरक्षा हितों के मामले में चीन को लेकर निरंतर सजग रहते हुए आगे बढ़ना होगा, क्योंकि सीमा विवाद जैसे मुद्दों पर पूर्व में चीन से बार–बार धोखा मिल चुका है। हमें यह भी ध्यान रखना होगा कि चीन के साथ आर्थिक साझेदारी भारत के औद्योगिक विकास में सहायक हो और वह चीन पर निर्भरता का कारण न बने। शुरुआत में अमेरिका इस लड़ाई में कूदने से हिचक रहा था, पर ईरान की जवाबी कार्रवाई से घिरे इजरायल की मदद के लिए आखिरकार राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को अमेरिकी वायु सेना को ईरान के परमाणु ठिकानों पर हमले के आदेश देने ही पड़े। इसके बावजूद ईरानी परमाणु कार्यक्रम के पूरी तरह ध्वस्त होने को लेकर संदेह है। वैसे भी ईरान की मिसाइल क्षमता आशा से कहीं अधिक निकली। युद्ध लंबा खिंचने पर इजराइल में कहीं अधिक बर्बादी हो सकती थी। इसी कारण ट्रंप ने आनन–फानन युद्ध विराम का एलान भी कर दिया और वह भी अपने व्यापक लक्ष्यों की पूर्ति के

बिना, क्योंकि न तो ईरान का परमाणु कार्यक्रम पूरी तरह नष्ट हो पाया और न ही वहां सत्ता परिवर्तन के कोई आसार दिख रहे। हालांकि इसका यह अर्थ नहीं कि इजरायल और ट्रंप के मागा (मेक अमेरिकी ग्रेट अगेन) खेमे ने यह योजना सदा के लिए छोड़ दी है। सही मौका देखकर इसे फिर से क्रियान्वित करने का प्रयास होगा। वैसे तो अमेरिका को 'फिर से महान बनाने के अभियान' में लगा ट्रंप प्रशासन ईरान में सत्ता परिवर्तन के लिए किसी जमीनी युद्ध में नहीं उलझना चाहता, परंतु उसके इरादों को देखते हुए भारत को सतर्क होना होगा। भारत को सामरिक दृष्टिकोण से भी इस युद्ध के निहितार्थ समझने की आवश्यकता है। इजरायल–ईरान युद्ध के दौरान व्हाइट हाउस में ट्रंप की ओर पाकिस्तानी सेना प्रमुख आसिम मुनीर की आवभगत का एक गहरा अर्थ है। जब मुनीर व्हाइट हाउस में थे, लगभग उसी समय अमेरिकी मदद से सत्तासीन बांग्लादेश की भारत विरोधी मोहम्मद यूनुस सरकार के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार भी वाशिंगटन में अमेरिकी अधिकारियों से मिल रहे थे। दरअसल ट्रंप की मागा योजना के अंतर्गत अमेरिका का नए सिरे से जो उद्योगीकरण प्रस्तावित है, वह बिना चीन और रूस के पर कतरे और भारत को तंग किए बिना संभव नहीं है। इस योजना को सिरे चढ़ाना उतना आसान नहीं है, क्योंकि भूमंडलीकरण के नाम पर अमेरिका ने ही अधिक मुनाफा कमाने के फेर में अपनी कंपनियों को चीन, वियतनाम जैसे देशों में स्थापित कराया। अब जब तक इन देशों में अमेरिकी कंपनियों के लिए उत्पादन के मोर्चे पर चुनौतियां नहीं दिखतीं, तब तक उनकी स्वदेश वापसी मुश्किल है। फिर भी अपनी योजना को लेकर

थोड़ा-सा 'अतिरिक्त' एक बड़ी रिलेशनशिप को बनाता है

लक्ष्मीनारायण को अरबी फ्राई पसंद है और मुथुरामन को पत्तागोभी, यह कहते हुए मेरी मां खूब सारा अरबी धोकर कुकर में डाल देतीं और आंच तेज कर देतीं ताकि यह सख्त सब्जी जल्दी पक जाए। इस बीच वे जल्दी से धुली हुई पत्तागोभी को काटकर अलग से पानी में उबाल लेतीं। अरबी के छिलके उतारने के लिए मेरी बहन की मदद लेने के बाद वे ताजा नारियल छीलना शुरू कर देतीं। वे मुझे अरबी को केरल वाले आलू के चिप्स की तरह काटने के लिए कहतीं। फिर ये दोनों सब्जियां दो अलग–अलग कढ़ाई में चली जातीं। उबली हुई पत्तागोभी को लाल सूखी मिर्च और ढेर सारी चना दाल (पहले से गरम पानी में भिगोई हुई) के साथ तड़का दिया जाता और कढ़ाई में डालने से पहले धीमी आंच पर पकाया जाता। अरबी पर सब तरफ से मसाला लगाने के बाद उन्हें बहुत कम तेल में मद्धम आंच पर भूना जाता। फिर कड़ाही में गोभी को चलाते हुए ऊपर से नारियल बुरककर डालते। लेकिन उस दिन ये दोनों सब्जियां हमारे खाने का हिस्सा नहीं होती थीं। यह सब इसलिए किया गया था, क्योंकि मेरे उपरोक्त दो दोस्त हमें बिना बताए भोजन के लिए चले आए थे। इस तरह से किसी के भी चले आने पर मां कभी मुंह नहीं बनातीं। वे घर आने वालों के चेहरों को पढ़कर बता देतीं कि उन्हें कितनी भूख लगी है और उनकी पसंद का खाना बनाने की कोशिश करतीं। वे हर किसी की पसंद को याद रखती थीं और उसी के अनुसार खाना बनाती थीं। बताने की जरूरत नहीं कि मेरे दोस्त उन सब्जियों को चाव से खाते, डकार लेते और चले जाते, और अगर मैं उनके हिस्से का खा लेता तो मुझसे झगड़ा करते। वैसे तो पूरा भोजन ही स्वादिष्ट होता था, लेकिन ये दोनों दोस्त अगले कुछ महीनों तक कॉलेज में अरबी और गोभी– इन दो ष्अतिरिक्तश सब्जियों की तारीफ करते रहते, जब तक कि वे अगली बार मेरे घर नहीं आ जाते। मां की मृत्यु के 30 साल बाद भी उन्हें उन सब्जियों का स्वाद ठीक उसी तरह से याद है, जैसे उन्होंने उन्हें कल रात खाया हो। मुझे यह कहानी शनिवार को तब याद हो आई, जब मैं भिलाई में रूंगटा इंटरनेशनल स्किल्स यूनिवर्सिटी द्वारा आयोजित एचआर कॉन्क्लेव को संबोधित कर रहा था। 20 से अधिक एमएनसी के एचआर अधिकारी वहां गोलमेज सम्मेलन में शामिल हुए थे। मैंने अपना संबोधन यह कहते शुरू किया कि अपने बारे में कुछ बताइए। मुझे नहीं पता कि यह सवाल कितना पुराना है। लेकिन ये वो सवाल है, जो किसी भी कंपनी में ज्यादातर इच्छुक उम्मीदवारों की किस्मत तय करता है। यहां बैठे इन एचआर प्रमुखों से पूछिए। वे इस सवाल को बार–बार पूछने में कभी शर्म महसूस नहीं करते। ऐसा इसलिए, क्योंकि यह एक से दो मिनट की छोटी–सी अवधि उम्मीदवार के आत्मविश्वास, भाषा–शैली, हास्यबोध, सतर्कता, कहानी सुनाने की क्षमता और देहभाषा से परिचित कराती है। आप सभी को मेरी सलाह है कि इंटरव्यू खत्म होने तक रिज्यूमे में लिखी की गई जानकारी के अलावा भी अपने पास अपने बारे में कुछ ष्अतिरिक्तश रखें। इसने मुझे एक फरसाण स्टोर की याद दिलाई, जिसके बुजुर्ग संस्थापक जब कैश काउंटर पर बैठते थे, तब उनकी बिक्री बहुत अच्छी चल रही थी और जब उनका एमबीए की पढ़ाई कर रहा बेटा उसी जगह पर बैठा, तो बिक्री में भारी गिरावट आई। वे हैरान थे कि ऐसा क्यों हो रहा है। अंत में पता चला कि ग्राहकों को यह बात बहुत अच्छी लगती थी कि बुजुर्ग प्लास्टिक बैग को सील करने से पहले फरसाण का एक ष्अतिरिक्तश बड़ा टुकड़ा उसमें डाल देते थे, जबकि एमबीए की पढ़ाई कर रहा बेटा वजन के बराबर ही तौलता था। उस 'अतिरिक्त' से ही ग्राहकों और दुकान के बीच एक रिश्ता बन गया था। यह कुछ ऐसा ही था, जो अतीत के दिनों में दूधवाले किया करते थे। फंडा यह है कि आप युवाओं को ज्ञान, कहानियां, भोजन, साक्षात्कार के दौरान आत्म–गौरव से लेकर शुभकामनाएं तक कुछ भी दे सकते हैं, लेकिन दुनिया हमेशा उस 'अतिरिक्त' चीज की कद्र करती है, जो आप इस प्रक्रिया में देते हैं। और हां, आपकी मानवता की भी। वे घर आने वालों के चेहरों को पढ़कर बता देतीं कि उन्हें कितनी भूख लगी है और उनकी पसंद का खाना बनाने की कोशिश करतीं। वे हर किसी की पसंद को याद रखती थीं और उसी के अनुसार खाना बनाती थीं।

दो दोस्तों की मौत से मातम, पापा..पापा चिल्लाते रहे मासूम

उत्तराखंड के कैंची धाम जा रहे छह दोस्तों में से दो की सडक हादसे में मौत

बाराबंकी (संवाददाता)। उत्तराखंड के कैंची धाम जा रहे छह दोस्तों में से दो की मौत की खबर शुक्रवार तड़के बाराबंकी पहुंची, तो शहर की आवास विकास कॉलोनी में मातम पसर गया। हादसे में जान गंवाने वालों में कॉलोनी निवासी विवेक मिश्रा (35) और उनके करीबी मित्र योगेश कुरील (50) शामिल हैं। दोनों की मौत की खबर करीब नौ घंटे बाद देर रात दो बजे शाहजहांपुर पुलिस की कॉल से परिजनों को मिली। इसके बाद परिवार में कोहराम मच गया। मां को रोता देख बच्चे पापा...पापा चिल्लाते बिलखते रहे।विवेक मिश्रा जहां निजी व्यवसाय से जुड़े थे, वहीं योगेश कुरील बाराबंकी जीएसटी कार्यालय में वरिष्ठ सहायक के पद पर कार्यरत थे। दोनों अच्छे मित्र थे और अक्सर एक साथ यात्रा पर जाते थे। बृहस्पतिवार शाम करीब 5रू30 बजे वह अपने चार अन्य साथियों लखपेड़ाबाग निवासी बाढ़ खंड विभाग में सींचपाल पद पर तैनात नरेंद्र चौधरी, सुभाषनगर मोहल्ले के निवासी वरिष्ठ सहायक महेश कुमार, शहर के ही निवासी च सिंचाई विभाग में सींचपान पद पर तैनात शिवकुमार और इनके एक रिश्तेदार युवक के साथ कैंची धाम के लिए रवाना हुए थे। रात करीब 2रू30 बजे पुलिस ने कॉल कर सूचना दी कि शाहजहांपुर में हादसे में विवेक और योगेश की मौके पर ही मौत हो गई।सूचना के बाद विवेक की पत्नी और बड़े भाई धर्मानंद तत्काल शाहजहांपुर के लिए रवाना हो गए। शवों का पोस्टमार्टम कराने के बाद जब शुक्रवार देर शाम दोनों के शव आवास विकास कॉलोनी पहुंचे, तो माहौल गमगीन हो गया। शवों को देखकर परिजनों के साथ–साथ आस–पड़ोस के लोग भी फूट–फूट कर रो पड़े। हादसे में घायल तीनों लोगों का इलाज लखनऊ के ट्रामा सेंटर में चल रहा है।पत्नी बेसुध, बच्चे गहरे सदमे में विवेक की शादी करीब 12 साल पहले हुई थी। उनके सात साल का बेटा आर्यन अभी यह समझ भी नहीं पा रहा है कि क्या हो गया है। वहीं योगेश के दो बेटे युवराज और रजत भी गहरे सदमे में हैं। योगेश की पत्नी राजकुमारी को जैसे ही यह खबर मिली, वह बेसुध हो गईं। वह बच्चों से कैसे बताएं कि अब पापा नहीं रहे। सामाजिक आयोजनों में अग्रणी थे विवेक विवेक मिश्रा शहर में सामाजिक आयोजनों में सक्रिय भूमिका निभाते थे। चाहे रामलीला हो या भंडारा, हर कार्यक्रम में उनकी सहभागिता रहती थी। यही वजह है कि शहर में उनकी अच्छी खासी पहचान थी।

पीओके में रहने वाले संदिग्धों से बातचीत के मिले साक्ष्य

बाराबंकी (संवाददाता)। लखनऊ मलिहाबाद में पकड़ी गई असलहा फैक्टरी मामले की जांच में हैरान करने वाला खुलासा हुआ है। आरोपी हकीम कश्मीर तक असलहों की खेप सप्लाई करता था। कॉल डिटेल रिकॉर्ड में पीओके में रहने वाले संदिग्धों से बातचीत के साक्ष्य मिले हैं।

मामले में एटीएस ने भी छानबीन शुरू की है। राजधानी लखनऊ के मलिहाबाद में अवैध असलहों की फैक्टरी पकड़े जाने के मामले में नया मोड़ आ गया है। छानबीन में सामने आया है कि आरोपी हकीम सलाऊद्दीन उर्फ लाला कश्मीर तक तक असलहों की तस्करी करता था। सलाऊद्दीन के कॉल डिटेल रिकॉर्ड में पीओके के कुछ संदिग्धों से बातचीत के साक्ष्य भी मिले हैं। इस मामले में एटीएस ने भी छानबीन शुरू की है।

टोका-टाकी से तंग मजदूर ने मेट के पेट में घोंपा था चाकू

बाराबंकी (संवाददाता)। कुर्सी थाना क्षेत्र में स्थित पशु वधशाला में बृहस्पतिवार को मामूली कहासुनी ने खूनी रूप ले लिया था। मेट द्वारा बार–बार टोकने से नाराज मजदूर ने गुस्से में आकर उसके पेट में चाकू घोंप दिया था। पुलिस ने हत्या का केस दर्ज किया है।मृतक मो. वसी (25) पंजाब प्रांत के मोहाली जिले के लालूरी मंडी का निवासी था और कुर्सी स्थित इस वधशाला में ठेके पर काम करता था। सोमवार दोपहर बाद उसकी किसी बात को लेकर वहीं कार्यरत कुशीनगर जिले के पडरौना निवासी रियाज से कहासुनी हो गई। विवाद बढ़ने पर रियाज ने अचानक वसी पर चाकू से हमला किया। लखनऊ के एक निजी अस्पताल में वसी की मौत हो गई थी। फतेहपुर वधशाला के सीओ जगत कनौजिया ने बताया कि मृतक की पहचान पंजाब प्रांत के मोहाली जिले के लालूरी गांव निवासी मोहम्मद वसी (25) के रूप में हुई है। पंजाब से बाराबंकी पहुंचे परिजनों की तहरीर पर आरोपी के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज किया गया।

मेट द्वारा बार–बार टोकने से नाराज मजदूर ने गुस्से में आकर उसके पेट में चाकू घोंप दिया था। पुलिस ने हत्या का केस दर्ज किया है।मृतक मो. वसी (25) पंजाब प्रांत के मोहाली जिले के लालूरी मंडी का निवासी था।

2027 तक पूरी होगीं चार रेलवे लाइनें

बाराबंकी (संवाददाता)। जल्दी जिले से राजधानी लखनऊ के बीच रेलवे यात्रा और सुगम व बेहतर हो जाएगी। इसके लिए साल 2027 तक बाराबंकी से मल्हौर (लखनऊ) के बीच कुल चार रेलवे लाइनों का संचालन शुरू हो जाएगा। रेलवे की ओर से चल रहे इस प्रोजेक्ट के तहत अब तक करीब 70 फीसदी तक समतलीकरण का कार्य पूरा हो चुका है। नालों, नदियों और नहरों पर पुलों का निर्माण भी तेजी से चल रहा है। मिट्टी की गुणवत्ता की जांच भी की जा रही है। वर्ष 2017 के रेल बजट में बाराबंकी से मल्हौर तक लगभग 16.42 किमी लंबे खंड को चार पटरियों में बदलने की मंजूरी दी गई थी। उसके बाद डीपीआर तैयार करने के साथ ही जमीन का चयन कर अधिग्रहण किया गया।

फॉल्ट के कारण हर घंटे हो रही बिजली कटौती

बाराबंकी (संवाददाता)। मामदावों के बाद भी जिले में बिजली आपूर्ति की बदहाल स्थिति में सुधार नहीं हो पा रहा है। फॉल्ट के कारण हर घंटे हो रही बिजली कटौती ने उमस भरी गर्मी में सभी का चौन छीन रखा है। कहीं लो–वोल्टेज तो कहीं फॉल्ट के कारण लोगों को परेशानी उठाना पड़ रही है। बृहस्पतिवार रात शहर में लगभग हर घंटे बाद 10–15 मिनट की कटौती की गई। जिले में बिजली आपूर्ति व्यवस्था सुधरने का नाम नहीं ले रही है। शहर के मोहल्ला अभयनगर, श्री नगर, रफी नगर, गांधी नगर में बृहस्पतिवार रात 11 बजे से शुक्रवार सुबह चार बजे तक हर घंटे बिजली कटती रही। कुर्सी क्षेत्र में लो वोल्टेज की समस्या रही। फाल्ट को दुरुस्त करने में विभागीय कर्मचारी संजीदा नहीं हैं।

नर्सिंग असिस्टेंट बनाने के नाम पर सैन्यकर्मी ने चार लाख रुपये ठगे

सीतापुर (संवाददाता)। शहर के नारायण नगर में लखनऊ से आई एसटीएफ ने छापा मारा है। एसटीएफ सैन्यकर्मी राहुल कुमार की तलाश में यहां पहुंची थी। आरोप है कि सैन्यकर्मी ने लखनऊ निवासी दो युवतियों से नर्सिंग असिस्टेंट बनाने के नाम पर चार लाख ठगे हैं। पुलिस ने इस मामले में श्रीनगर में तैनात आरोपी राहुल कुमार के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। सूत्रों के अनुसार राहुल सेना की वर्दी में लखनऊ में प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी कर रहीं दो युवतियों से मिला था। इसमें से एक युवती अलीगढ़ तो दूसरी मुजफ्फरनगर की है। आरोपी ने नर्सिंग असिस्टेंट बनवाने का झांसा देकर एक युवती से 1.50 लाख व दूसरी से 2.55 लाख रुपये ले लिए। आरोप है कि शुक्रवार को लखनऊ कैंटोनमेंट में नियुक्ति पत्र देने बुलाया। फिर बोला कि सीतापुर आ गया हूं। आप लोग सीतापुर आइए। इसके बाद सैन्यकर्मी युवतियों से लालबाग स्थित आर्मी कैंटीन के पास मिला। युवतियों को शक हुआ तो सैन्यकर्मी से अपने पैसे मांगने लगीं। इस पर आरोपी ने धमकाया तो युवतियों ने शहर कोतवाली पुलिस को सूचना दे आरोप है कि सैन्यकर्मी ने लखनऊ निवासी दो युवतियों से नर्सिंग असिस्टेंट बनाने के नाम पर चार लाख ठगे हैं। पुलिस ने इस मामले में श्रीनगर में तैनात आरोपी राहुल कुमार के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है।

विवाद सुलझाने गए सिपाही को दबंगों ने पीटा, केस दर्ज

सीतापुर (संवाददाता)। धोंधी गांव में शनिवार को विवाद सुलझाने पहुंचे सिपाही को दबंगों ने लाठी–डंडों से पीट दिया। पीड़ित सिपाही ने तहरीर दी है। पुलिस आरोपी को खोज रही है। परसापुर के मजरा ध ोधी में प्रहलाद अपना घर बनवा रहे हैं। उनके पड़ोसी शत्रोहन घर बनने से रोक रहे थे।विवाद को लेकर परमानंद ने मामले की शिकायत यूपी 112 पर की थी। मौके पर पहुंचे यूपी 112 में तैनात सिपाही नरेंद्र कुमार के अनुसार उन्होंने दोनों पक्षों को रोकने का प्रयास किया। कढ़िले व उनके परिजन पुलिस टीम से उलझ गए। फिर नरेंद्र को बुरी तरह से पीट दिया।उनके सिर व शरीर के अन्य हिस्सों पर चोटें आई हैं। जैसे–तैसे वह अपनी जान बचा सके। इसके बाद उन्होंने उच्चाधिकारियों को मामले की जानकारी दी। मौके पर सीओ लहरपुर नागेंद्र कुमार व अन्य अधि ाकारी पहुंचे गए। इस पर आरोपी मौके से भाग गया।

साथियों के साथ मिलकर पत्नी को मार डाला

महिला की बेटी की सूचना पर आनंद विहार पहुंची पुलिस ने घटनास्थल पर छानबीन की

सीतापुर (संवाददाता)। इलसियाग्रंट के आनंदविहार मोहल्ले में एक महिला की लाठियों से पीटकर हत्या कर दी गई। महिला की बेटी की सूचना पर आनंद विहार पहुंची पुलिस ने घटनास्थल पर छानबीन की। पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस के मुताबिक बेटी ने पूरा मंजर देखा है। महिला के शरीर पर चोटों के निशान मिले हैं। मृतका के भाई सुशील की तहरीर पर पुलिस ने चार लोगों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। आरोपियों की तलाश की जा रही है।महोली के बरातपुर गांव निवासी यशोदा के अनुसार उनकी पुत्री सुशीला (30) कई वर्ष पहले आर्केस्ट्रा में काम कर रही थी। मौजूदा समय वह काम छोड़ चुकी थी। वह लखनऊ में किराये का कमरा लेकर अपनी पुत्री काजल (12) के साथ रह रही थीं। वह कभी–कभी इलिसिया ग्रंट आनंद विहार भी आती थीं। यशोदा ने बताया कि 15 साल पहले सुशीला का विवाह देशराज से हुआ था। दोनों में बिल्कुल नहीं बनती थी। हाईकोर्ट में उनका केस भी चल रहा है। देशराज सुशीला के काम से खुश नहीं था।यशोदा के मुताबिक बृहस्पतिवार रात देशराज ने अपने साथियों को घर बुलाया। फिर साथियों की मदद से बेटी की हत्या कर दी। हत्या के बाद पुत्र आदर्श (10) व पुत्री काजल (12) को बाइक पर बैठाकर पैतृक गांव तंबौर के सुल्तानपुर ले गया। वहां पहुंचने के बाद पुत्री काजल ने यूपी 112 को हत्या की सूचना दे दी।इसके बाद मौके पर सीओ सिटी अमन सिंह व थानाध्यक्ष रामकोट सुरेश पटेल मौके पर पहुंचे और परिजनों के बयान को दर्ज किया। पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। महिला की बेटी की सूचना पर आनंद विहार पहुंची पुलिस ने घटनास्थल पर छानबीन की। पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस के मुताबिक बेटी ने पूरा मंजर देखा है। महिला के शरीर पर चोटों के निशान मिले हैं। मृतका के भाई सुशील की तहरीर पर पुलिस ने चार लोगों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। आरोपियों की तलाश की जा रही है।महोली के बरातपुर गांव निवासी यशोदा के अनुसार उनकी पुत्री सुशीला (30) कई वर्ष पहले आर्केस्ट्रा में काम कर रही थी। मौजूदा समय वह काम छोड़ चुकी थी। वह लखनऊ में किराये का कमरा लेकर अपनी पुत्री काजल (12) के साथ रह रही थीं। वह कभी–कभी इलिसिया ग्रंट आनंद विहार भी आती थीं।

यशोदा ने बताया कि 15 साल पहले सुशीला का विवाह देशराज से हुआ था। दोनों में बिल्कुल नहीं बनती थी। हाईकोर्ट में उनका केस भी चल रहा है।

महादेव के दरबार में उमड़ेगा श्रद्धा का सैलाब

बाराबंकी (संवाददाता)। श्री लोधेश्वर महादेव की तीर्थ नगरी महादेवा में प्रसिद्ध सावन मेले की तैयारियां शुरू हो गई हैं। 11 जुलाई को पड़ने वाले सावन के पहले सोमवार पर यहां शिवभक्तों का जनसैलाब जुटेगा। मान्यता है कि सावन में भगवान शिव के जलाभिषेक से हर मनोकामना पूरी होती है। इसी कारण दूर दराज से लाखों श्रद्धालु जलाभिषेक करने महादेवा पहुंचते हैं। महादेवा धाम का यह सावन मेला न सिर्फ शिव भक्ति, श्रद्धा का संगम है, बल्कि यहां शिवभक्तों का विश्वास हर साल नई आस्था के साथ हिलोरें मारता है। महादेवा के लोधेश्वर महादेव की नगरी एक बार फिर भक्ति की ज्योति से आलोकित होने को तैयार है। श्रद्धालुओं की सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए मंदिर की रंगाई–पुताई, साफ–सफाई और व्यवस्थाओं को दुरुस्त करना शुरू कर दिया है।

कार्रवाई की जद में आए निजी अस्पताल की सील तोड़ी, संचालक के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज

हरदोई (संवाददाता)। पंजीकरण और चिकित्सकों की उपस्थिति का प्रमाण पत्र न होने कारण सील किए गए अस्पताल की सील तोड़ देने का मामला सामने आया है। मामले को लेकर संडीला सीएचसी अधीक्षक ने बालाजी नर्सिंग होम एंड मैटरनिटी सेंटर कोथावां के संचालक के खिलाफ बेनीगंज कोतवाली में रिपोर्ट दर्ज कराई है। तहरीर में संडीला सीएचसी अधीक्षक डॉ. मनोज सिंह ने बताया कि नौ अक्तूबर 2024 को बालाजी नर्सिंग होम एंड मैटरनिटी सेंटर कोथावां के बारे में शिकायत मिली थी। जांच में चिकित्सालय संचालित मिला था, लेकिन यहां मौजूद कर्मचारी आवश्यक प्रमाण पत्र उपलब्ध नहीं करा पाए थे। नोटिस देकर 16 अक्तूबर 2024 को कार्यालय में बुलाया गया था। अस्पताल संचालक कार्यालय न आकर न्यायालय में चले गए। न्यायालय में चल रही कार्रवाई में विभाग की ओर से जरूरी पक्ष रखा जा रहा है। बीती 21 जून को मौके का निरीक्षण किया गया, तो यहां पूर्व में लगाई गई राजकीय सील टूटी मिली। डॉ. मनोज सिंह ने बताया कि यह अपराध की श्रेणी में आता है। अपर पुलिस अधीक्षक पश्चिमी मार्तंड प्रकाश सिंह ने बताया कि घटना की रिपोर्ट तहरीर के आधार पर दर्ज की गई है। जांच कर आगे कार्रवाई की जाएगी। मामले को लेकर संडीला सीएचसी अधीक्षक ने बालाजी नर्सिंग होम एंड मैटरनिटी सेंटर कोथावां के संचालक के खिलाफ बेनीगंज कोतवाली में रिपोर्ट दर्ज कराई है। तहरीर में संडीला सीएचसी अधीक्षक डॉ. मनोज सिंह ने बताया कि नौ अक्तूबर 2024 को बालाजी नर्सिंग होम एंड मैटरनिटी सेंटर कोथावां के बारे में शिकायत मिली थी। जांच में चिकित्सालय संचालित मिला था, लेकिन यहां मौजूद कर्मचारी आवश्यक प्रमाण पत्र उपलब्ध नहीं करा पाए थे। नोटिस देकर 16 अक्तूबर 2024 को कार्यालय में बुलाया गया था। अस्पताल संचालक कार्यालय न आकर न्यायालय में चले गए। न्यायालय में चल रही कार्रवाई में विभाग की ओर से जरूरी पक्ष रखा जा रहा है। बीती 21 जून को मौके का निरीक्षण किया गया, तो यहां पूर्व में लगाई गई राजकीय सील टूटी मिली। डॉ. मनोज सिंह ने बताया कि यह अपराध की श्रेणी में आता है। अपर पुलिस अधीक्षक पश्चिमी मार्तंड प्रकाश सिंह ने बताया कि घटना की रिपोर्ट तहरीर के आधार पर दर्ज की गई है।

ट्रैक्टर ने बाइक सवार दोस्तों को मारी टक्कर, होमगार्ड के बेटे की मौत

हरदोई हरदोई (संवाददाता)। गोड़वा जनिगांव मार्ग पर बृहस्पतिवार शाम बाइक सवार दो दोस्तों को ट्रैक्टर ट्रॉली ने टक्कर मार दी। गंभीर घायल दोस्तों को लखनऊ ट्रामा सेंटर रेफर कर दिया गया। यहां एक की मौत हो गई। दूसरे का इलाज जारी है। मृतक के पिता होमगार्ड हैं। वहीं, चालक ट्रैक्टर लेकर भाग निकला।अतरौली थाना क्षेत्र के सोनिकपुर निवासी सौरभ दीक्षित (23) खेती करता था। बृहस्पतिवार शाम वह अपने दोस्त गांव निवासी रोहित सिंह (26) के साथ बाइक से सब्जी खरीदने जनिगांव बाजार गया था। बाइक रोहित चला रहा था। सब्जी खरीदकर घर जाते समय गोड़वा जनिगांव मार्ग पर बाजार से 50 मीटर दूर ट्रैक्टर ट्रॉली ने बाइक में टक्कर मार दी।इससे सौरभ और रोहित घायल हो गए। लोगों की सूचना पर परिजन और एंबुलेंस पहुंच गई। दोनों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भरावन ले जाया गया। यहां से दोनों को लखनऊ ट्रामा सेंटर रेफर कर दिया गया।

सर्पदंश से किसान की मौत झाड़फूंक के लिए २२ घंटे शव लेकर घूमते रहे परिजन

हरदोई (संवाददाता)। सांप काटने से हुसैनपुर निवासी एक किसान की बृहस्पतिवार देर शाम मौत हो गई। मेडिकल कॉलेज में उसे मृत घोषित किए जाने के बाद परिजन झाड़ फूंक कराने के लिए शव उठा ले गए। टड़ियावां और पाली थाना क्षेत्र के अलग अलग गांवों में शव को जिंदा कराने की उम्मीद में लिए घूमते रहे। लगभग 22 घंटे बाद पुलिस ने शव कब्जे में लेकर मोर्चरी में रखवा दिया।लोनार कोतवाली क्षेत्र के धनेउली के मजरा हुसैनपुर निवासी राजकरन (49) खेती करता था। बृहस्पतिवार की शाम वह खेत में धान की रोपाई कर रहा था। तभी सांप ने काट लिया। बृहस्पतिवार शाम लगभग सात बजे परिजन उसे लेकर मेडिकल कॉलेज हरदोई पहुंचे। यहां उसे मृत घोषित कर दिया गया।परिजन शव लेकर झाड़फूंक से जिंदा कराने की कवायद में लगे रहे। शव को लेकर पहले टड़िघ्यावां थाना क्षेत्र के थमरवा गांव और फिर पाली थाना क्षेत्र के कछेलिया गांव झाड़फूंक कराने ले गए। शाम को पांच बजे शव गांव ले गए और फिर पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने शुक्रवार शाम घर पहुंचकर शव का पंचनामा भरा और शव मोर्चरी में रखवा दिया। मेडिकल कॉलेज में उसे मृत घोषित किए जाने के बाद परिजन झाड़ फूंक कराने के लिए शव उठा ले गए। टड़ियावां और पाली थाना क्षेत्र के अलग अलग गांवों में शव को जिंदा कराने की उम्मीद में लिए घूमते रहे। लगभग 22 घंटे बाद पुलिस ने शव कब्जे में लेकर मोर्चरी में रखवा दिया।

पिता-पुत्र ने की थी बालक की हत्या

सीतापुर (संवाददाता)। खेत में काम करने से मना करने पर कस्बा निवासी अमित की गला दबाकर हत्या की गई थी। अमित के पड़ोसी ने घटना को अंजाम दिया फिर आरोपी के पिता ने अमित को फंदे पर लटका दिया था। पुलिस ने घटना का खुलासा कर दिया है। कस्बे में बिसवां मार्ग पर स्थित रामजीवन चौहान के घर में मंगलवार सुबह उनके पुत्र अमित (10) का शव दुपट्टे से लटकता पाया गया था। रामजीवन व उसका परिवार अमेठी के गौरीगंज में मजदूरी करने गए थे। घर पर केवल मृतक व उसकी 6 वर्षीय बहन सोनी ही थी। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में हत्या की पुष्टि हुई। पुलिस ने जांच की तो पता चला कि अमित मंगलवार की सुबह पड़ोस के अपने दोस्त राजा के साथ बाग में आम खाने गए थे।

दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल गोरखपुर आई, दवा कारोबारी को ले गई अपने साथ

गोरखपुर (संवाददाता)। भालोटिया मार्केट में बृहस्पतिवार को दिल्ली पुलिस की स्पेशल ब्रांच ने छापा मारकर कारोबारी अमित गोयल को हिरासत में लिया था। जानकारी होने पर अन्य व्यापारी पहुंचे तो पता लगा कि दिल्ली में एनडीपीएस एक्ट का एक मुकदमा दर्ज है, जिसमें गिरफ्तार आरोपी हरीश के पास से 2160 टैबलेट नशीली गोलियां बरामद हुईं थीं।

दिल्ली में बेची गई नशे की दवाओं के मामले में भालोटिया मार्केट के दवा कारोबारी अमित गोयल को दिल्ली पुलिस की स्पेशल टीम शुक्रवार को साथ लेकर लौट गई। इससे पहले टीम ने बृहस्पतिवार की देर रात तक कैंट थाने में अमित से पूछताछ की। यह कार्रवाई पहले से दर्ज एक मुकदमे की छानबीन में हुई है। नशे की दवा बेचने के आरोप में दिल्ली में पकड़े गए शख्स ने अमित गोयल की दुकान से दवाएं खरीदने की बात कही थी ।जांच के दौरान दिल्ली से आई टीम को पकड़ी गई दवाओं की खरीद–बिक्री से संबंधित बिल अमित गोयल की दुकान में नहीं मिले। तीन माह के अंदर भालोटिया के दूसरे कारोबारी को पूछताछ के लिए दिल्ली ले जाए जाने से अन्य कारोबारियों में हड़कंप है। नशीली दवाओं के लिए बदनाम हो रहे भालोटिया मार्केट में बृहस्पतिवार को दिल्ली पुलिस की स्पेशल ब्रांच ने छापा मारकर कारोबारी अमित गोयल को हिरासत में लिया था।

जानकारी होने पर अन्य व्यापारी पहुंचे तो पता लगा कि दिल्ली में एनडीपीएस एक्ट का एक मुकदमा दर्ज है, जिसमें गिरफ्तार आरोपी हरीश के पास से 2160 टैबलेट नशीली गोलियां बरामद हुईं थीं।

हरीश के साथी गौतम ने कोर्ट में आत्म समर्पण कर दिया था। पुलिस ने गौतम को रिमांड पर लेकर पूछताछ की तो उसने बताया कि गोरखपुर के भालोटिया मार्केट में अमित गोयल की दवा एजेंसी से उसने दवाएं ली थीं।

घायल को सीएचसी में नहीं मिली दवा तो पुलिस बुलाई

हरदोई (संवाददाता)। सिर में चोट लगने से घायल युवक को सीएचसी में दवा नहीं मिली। गुस्से में उसने यूपी 112 पर शिकायत कर दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने उसे दवा दिलाई। मैदानपुरा निवासी दिलीप राठौर (24) के सिर में बृहस्पतिवार शाम को चोट लग गई थी। वह दवा लेने के लिए सीएचसी बिलग्राम गया था। दिलीप का दावा है कि फार्मासिस्ट ने उसे दवा देने से मना कर दिया और बताया कि दवा वितरण काउंटर बंद हो चुका है।यह भी बताया कि दवा देने का समय सुबह दस बजे से शाम चार बजे के बीच का है। इससे नाराज दिलीप ने यूपी 112 पर घटना की सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस के हस्तक्षेप के बाद फार्मासिस्ट ने दिलीप को दवा दी।इसके बाद दिलीप अपने घर चले गए। पूरे मामले पर सीएचसी अधीक्षक डॉ. राजेंद्र कुमार ने बताया कि वह विभागीय बैठक में हरदोई गए हुए थे। ओपीडी बंद हो चुकी थी। आकस्मिक चिकित्सा कक्ष खुला हुआ था।

देवरिया का फतेहपुर गांव : स्कूल के बरामदे में सो रहे थे प्रबंधक, गला रेकर हत्या- पास मिली खून से सनी कुल्हाड़ी

गोरखपुर (संवाददाता)। क्षेत्र के फतेहपुर गांव के रामनगर टोले पर शनिवार की सुबह एक स्कूल प्रबंधक की हत्या से सनसनी फैल गई। स्कूल के बरामदे में सो रहे प्रबंधक के सिर और गले पर कई वार कर हत्या की गई। घटना से करीब सौ मीटर की दूरी पर खून से सनी कुल्हाड़ी भी मिली। घर वाले फिलहाल हत्या का कारण अभी स्पष्ट नहीं बता पा रहे।

पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम कराने को मेडिकल कॉलेज देवरिया भेज दिया। रामनगर के रहने वाले धनंजय पाल 55 वर्ष गांव में अपनी जमीन पर डीडीएम पब्लिक स्कूल खोल रखे थे। वह स्कूल में ही हर रात सोने चले जाते थे। परिजनों के अनुसार शुक्रवार की रात भोजन करने के बाद वह स्कूल में सोने चले गए। शनिवार की सुबह करीब पांच बजे पड़ोस के लोगों ने बरामदे में पड़े तख्त पर उनकी लाश देखी। गले और चेहरे पर कई वार किए थे। चेहरा बुरी तरह से कुल्हाड़ी के वार से कट गया था। घटना की सूचना पर सीओ हरिराम यादव ने पहुंच कर जांच शुरु की। घटना पर क्षेत्रीय लोगों की भारी भीड़ जुट गई। पुलिस घटना का कारण पता लगाने में जुटी है। दबे जुबां लोग घटना के पीछ स्कूल से जुड़ा विवाद होना बता रहे है। सीओ ने कहा कि पुलिस जांच में जुटी है। सनसनीखेज हत्या को लेकर सुबह जिले में एक बार फिर फतेहपुर गांव चरचा में आ गया। 2 अक्टूबर 2023 को फतेहपुर गांव के लेहड़ा टोले पर छह हत्याओं से लोग दहल गए थे। पूर्व जिला पंचायत सदस्य प्रेमचंद यादव की हत्या के बाद आक्रोशित भीड़ ने प्रतिशोध में सत्यप्रकाश दूबे के परिवार के पांच लोगों की हत्या कर दी थी। स्कूल प्रबंधक धनंजय पाल की हत्या के बाद एक बार फिर फतेहपुर गांव में सुर्खियों में आ गया। घटना को लेकर अफवाहों का बाजार भी गर्म रहा। घटना स्थल पर पुलिस अधीक्षक विक्रांत वीर ने निरीक्षण किया। एसपी के नेतृत्व में फारेंसिक टीम, डॉग स्क्वायड, स्वॉट और सर्विलांस टीम के साथ रुद्रपुर पुलिस छानबीन में जुट गई। जांच टीम ने खून से सनी कुल्हाड़ी और मौके मिले कुछ निशान को लेकर छानबीन में जुट गई। एसपी ने कहा कि पुलिस हर पहलुओं को ध्यान में रख कर जांच कर रही है। जल्द ही घटना का खुलासा किया जाएगा। स्कूल के बरामदे में सो रहे प्रबंधक के सिर और गले पर कई वार कर हत्या की गई। घटना से करीब सौ मीटर की दूरी पर खून से सनी कुल्हाड़ी भी मिली। घर वाले फिलहाल हत्या का कारण अभी स्पष्ट नहीं बता पा रहे। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम कराने को मेडिकल कॉलेज देवरिया भेज दिया। रामनगर के रहने वाले धनंजय पाल 55 वर्ष गांव में अपनी जमीन पर डीडीएम पब्लिक स्कूल खोल रखे थे। वह स्कूल में ही हर रात सोने चले जाते थे। परिजनों के अनुसार रात भोजन करने के बाद वह स्कूल में सोने चले गए।

निर्माणाधीन पुलों को जल्द पूरा कराएं

सीतापुर (संवाददाता)। कलेक्ट्रेट सभागार में शुक्रवार को जिलाधिकारी अभिषेक आनंद ने सड़क निर्माण के लिए चल रही परियोजनाओं की समीक्षा की। इस दौरान बहुगुणा चौराहे पर लोक निर्माण विभाग, निर्माण खंड और विद्युत विभाग के अधिकारियों को संयुक्त रूप से सर्वे कराते हुए कार्य पूरे कराने के निर्देश दिए। सर्वे के लिए टीम का गठन हो गया है। नई सड़कों के निर्माण कार्यों, सड़कों के चौड़ीकरण और सुदृढ़ीकरण के कार्यों, पुलों के निर्माण कार्यों, सड़कों के अनुरक्षण कार्यों संग अन्य कार्यों की विस्तारपूर्वक समीक्षा की। डीएम ने कहा कि बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों को जोड़ने वाले मार्गों का प्राथमिकता के आधार अनुरक्षण कराया जाए और रेनकटों को पेट्रोलिंग कराकर ठीक कराया जाए।

72 शहीदों की याद में मनाएं जाने वाला मोहर्रम का चांद दिखाई पड़ा।

उतरौला बलरामपुर

कर्बला के 72 शहीदों की याद में मनाए जाने वाला मोहर्रम का चांद गुरुवार को दिखने के बाद इसका आगाज हो गया है। 27 जून दिन शुक्रवार से मोहर्रम की पहली तारीख शुरू हो गई है। मोहर्रम कमेटी के जनरल सेक्रेटरी डॉक्टर आरिफ रिजवी ने बताया कि माहे मोहर्रम की तैयारियां पूरी हों चुकीं हैं। इमाम बाड़ा व घरों की साफ–सफाई का काम मुकम्म ल हो चुका है। मोहर्रम नगर व ग्रामीण अंचल जैसे अमया देवरिया, रेहरा माफी, रैगांवा सादुल्लाह नगर के मीर पुर, पचपेड़वा, तुलसीपुर व बलरामपुर सहित अन्य ग्रामीण अंचलों में पूरी अकीदत के साथ मनाया जाता है। नौ मोहर्रम की रात में इमाम हुसैन के रौजे की नकल ताजिया को घरों के चौक व इमाम बाड़ा में रखकर फातिहा दिलाने की परम्परा गत से चलीं आ रही है।10 वी मोहर्रम के दिन शाम लगभग सात बजे ताजिया को कर्बला में दफन किया जाता है। जनपद बलरामपुर की ताजियादारी पुरे विश्व में प्रसिद्ध है। जिले सहित उतरौला व आस पास क्षेत्रों के घरों व इमाम बाड़ा में बड़े व छोटे ताजिया बांस व कागज से बनाकर तैयार किए जा रहे हैं। डॉक्टर आरि फ ने बताया कि गुरुवार की शाम मोहर्रम का चांद देखते ही लोग गम जदा हो जाते है। उसी रात से इमाम बाड़ा व घरों में मजलिस का दौर शुरू होकर 10 वीं मोहर्रम तक चलता है। उन्होंने यह भी बताया कि नौवीं तारीख को शाम को कस्बा सहित अन्य ग्रामीण अंचलों में ताजिया रखने के बाद 10 वीं तारीख को मज लिस के बाद अलम का मातमी जुलूस निकाला जाता है। उन्होंने यह भी कहा कि गम का यह महीना पैगम्बर मोहम्मद साहब के नवासे इमाम हुसैन अलैहिस्सलाम व उनके 71 साथियों की हक के रास्ते पर चल कर मिली है अजीम शहादत, पूरी दुनिया में मशहूर हैं। इसलिए सभी लोग शांति एकता व भाई चारे के साथ सरकारी निर्देशानुसार मोहर्रम की परम्परा गत मनाएं ताकि किसी को कोई असुविधा न होने पाए। मोहर्रम का पाक महीना शुरू होते ही नगर सहित ग्रामीण क्षेत्रों में जगह जगह स्टाल लगाकर शरबत व ठंडा पानी निःशुल्क पिलाने का सिलसिला शुरू हो गया है। इसी के साथ आगामी दस दिनों तक मजलिस काप्रोग्राम शुरू हो गया है। कर्बला में शहीद हुए इमाम हुसैन व उनके 72 साथियों के बारे में मौलाना खिताब फरमाएंगे।उतरौला तहसील व आस पास के क्षेत्र में बड़े शानो शौकत के साथ शिया सुन्नी समुदाय के लोग मिलजुल कर माहे मोह र्रम का एहतमाम करते हैं। उतरौला में पहली मोहर्रम से लेकर 10 वीं मोहर्रम तक 25 से ज्यादा इमामबाड़ों में फजर नमाज के बाद से देर रात्रि तक मजलिसों का सिलसिला जारी रहता है और अजादारी भी की जाती है। शिया व सुन्नी समुदाय के साथ–साथ हिन्दू भाइयों को भी ताजिया में बड़ी आस्था है। रानीपुर, बदलपुर तिराह, गैड़ास बुजुर्ग, गायडीह, हुसैना बाद, इटई रामपुर जैसे गांव में हिन्दू मुस्लिम मिलकर इमाम हुसैन की याद में आलीशान ताजिया रखते हैं। मोह र्रम से पहले शहर में साफ सफाई इमामबाड़ों की पुताई का कार्य मुकम्मल हो चुका है। उन्होंने यह भी कहा कि इमाम हुसैन की याद में पूरी दुनिया में लोग बगैर मजहब मिल्लत में फर्क के अकीदत के साथ जारी रखते हैं। इमाम हुसैन और उनके परि वार की याद में जगह– जगह हुसैनी भाई पानी की सबील लगाते तथा नियाज फातिहा आदि वगैरा करते हैं। उतरौला में इस वर्ष मौलाना सिबते हैदर, मौलाना मोहम्मद अली, मौलाना फिदा हुसैन के अलावा बाहरी उलेमा भी मज लिस को खिताब करेंगे। देश विदेश में रहकर काम करने वाले लोग भी मोहर्रम में अपने वतन आकर इमाम हुसैन की अजादारी करते हैं। डॉक्टर आरि फ ने नगर पालिका, बिजली विभाग व शासन प्रशासन से सहयोग करने की मांग की है।

राप्ती नदी में एन डी आर एफ की टीम के द्वारा दो दिन तलाश करने पर गांव के किनारे ही लाश बरामद की।

उतरौला बलरामपुर माडर्न थाना श्रीदत्तगंज क्षेत्र के अन्तर्गत ग्राम पंचायत मझारी बांछिल के निवासिनी अंजनी पुत्री नानमुन मौर्या आयु लगभग 19 वर्षीय के लापता होने से दो दिन बाद शनिवार की सुबह उसकी लाश एन डी आर एफ की टीम ने राप्ती नदी से बरामद कर ली है। लाश मिलने के बाद शव को पोस्ट मार्टम के लिए भेज दिया गया है। माडर्न थाना श्रीदत्तगंज के प्रभारी कर्मवीर सिंह ने बताया कि 19 वर्षीय महिला दो दिन पहले गांव के किनारे राप्ती नदी में बह रही थी। राप्ती नदी के किनारे जब देखा गया था। उसके लापता होने की सूचना मिलने पर उसको तलाश करने के लिए एन डी आर एफ की टीम को बुलाया गया। एन डी आर एफ की टीम दो दिनों से राप्ती नदी में उसकी लाश की तलाश कर रही थी। एन डी आर एफ की टीम के लोगों ने उसके चप्पल को नदी के किनारे पड़ा मिला था। टीम के गोता खोरों की मदद से उसके गांव के पास बह रही राप्ती नदी में शनिवार को पुलिस ने उसकी लाश बरामद कर ली। पुलिस ने लाश को अपने कब्जे में लेकर पोस्ट मार्टम के लिए भेज दिया है। थानाध्यक्ष ने बताया कि लाश के पोस्ट मार्टम की रिपोर्ट के आधार पर विधिक पूर्वक कार्यवाही की जाएगी।

माहे मुहर्रम के शुरू होते ही मस्जिदो इमाम बाड़ो व घरों में मजलिस का दौर शुरू हो गया है।

उतरौला बलरामपुर

माहे मोहर्रम का आगा ज होते ही मस्जिदो इमाम बाड़ा और लोगों के घरों पर मजलिसों का सिलसिला शुरू हो गया है। शुक्रवार की रात्रि में ग्राम रेहरा माफी के ईमाम बारगाह में मरहूम इब्ने हसन के इमाम बाड़े में पहली मजलिस का आयोजन किया गया। जिसेडॉक्टर अली अजहर ने सम्बो धित करते हुए कहा कि नौजवानों को अधिक से अधिक इल्म हासिल करने का आह्वान किया वहीं पर ईमाम बारगाह हसन जाफर में दूसरी मजलिस को सम्बोधित करते हुए मौलाना जायर अब्बास ने कहा कि हजरत ईमाम हुसैन ने कर्बला में अपने 72 साथियों के साथ सारी दुनिया को यही पैगाम दिया कि हक के लिए और जुल्म के खिलाफ हमेशा खड़ा रहना चाहिए। ईमाम बारगाह मरहूम मुहम्मद जाहिद में अन्तिम मजलिस को सम्बोधित करते हुए मौलाना जायर अब्बास साहब ने अजादारी के मकसद को बयान करते हुए कहा, कि हमें मुहर्रम में अपने अन्दर बदलाव लाने की जरूर त है,तभी हम इमाम हुसैन के उद्देश्य को पूरा कर सकते हैं। मजलिस के बाद अन्जुमने वफाये अब्बास के सदस्यों ने नौहा ख्वानी और सीना जनी करके ईमाम साहब को पुरस्कार पेश किया।इस अवसर पर इरफान हैदर,अली जाफर, तौसीफ हसन, अब्बास जाफर, तौकीर हसन, जुहैर अब्बास, अली शहंशाह, मुहम्मद आलिम,रजा अब्बास, मुहम्मद आरिफ, इंते जार मेहंदी,फजल अब्बास,अता अब्बास, मुहम्मद तालिब, यासूब अब्बास आदि लोग मौजूद रहे।

ग्राम पंचायत इमलिया बनघुसरा में मुख्यमंत्री गन्ना कृषक विशेष प्रशिक्षण गोष्ठी का आयोजन किया गया।

उतरौला बलरामपुर विकास खण्ड उतरौला अन्तर्गत ग्राम पंचायत इमलिया बनघुसरा में गन्ना विकास परिषद उतरौला के ज्येष्ठ गन्ना विकास निरीक्षक नरेन्द्र कुमार सिंह के द्वारा शनिवार को मुख्यमंत्री गन्ना कृषक विशेष प्रशिक्षण गोष्ठी का आयोजन किया गया।जिसमें मुख्य अतिथि विधायक राम प्रताप वर्मा के सुपुत्र शशांक कुमार वर्मा रहे। ज्येष्ठ गन्ना विकास निरीक्षक नरेन्द्र कुमार सिंह ने कहा कि जब कि कृष कों के आय का मुख्य स्रोत भी गन्ने की खेती से प्राप्त होने वाली आय है, किन्तु जनपद का औसत उत्पादन प्रदेश के औसत उत्पादन 832.52 कुंतल प्रति हेक्टेयर के सापेक्ष 675.84 कुंतल प्रति हेक्टेयर है,जो कि कम है। गन्ना कृषकों का आमदनी को बढ़ाने के लिए माननीय मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के परामर्श से गन्ना कृषकों के आय में वृद्धि करने हेतु गन्ना विकासविभाग के द्वारा मुख्यमंत्री गन्ना कृषक प्रशिक्षण कार्य क्रम का आयोजन प्रत्येक न्याय पंचायत स्तर पर किया जा रहा है। विभागीय तत्परता के कारण गन्ना विकास परिषद उतरौला के द्वारा अब तक परिषद क्षेत्र के18 न्याय पंचा यत में से 14 न्याय पंचायत में मुख्यमंत्री गन्ना कृषक प्रशिक्षण का कार्यक्रम आयोजन कराया जा चुका है। इस कार्यक्रम के माध्यम से जहां एक और सह फस ली ,गन्ने की औसत उत्पादन एवंउत्पादकता में वृद्धि हेतु नवीन तक नीक से कृषकों को अवगत कराया जाता है। वहीं मृदा को उप जाऊ एवं जीवंत बनाए रखने हेतु जैविक एवं प्राकृतिक खेती से भी कृषकों को प्रशिक्षित किया जा रहा है। इसके अतिरिक्त स्थानीय स्थि ति को दृष्टिगत रखते हुए जल जमाव वाले क्षेत्र में गन्ने की खेती पर भी कृषकों कोप्रशिक्षित किया जा रहा है। ताकि वे स्थानीय स्थिति के अनुरूप कृषि कार्य कर गन्ने की खेती से अधिक उत्पादन प्राप्त कर सकें। विभागीयतत्परता के कारण गन्ना विकास परिषद उतरौला केद्वारा सत्र 2024–25 में कराए गए क्रॉप कटिंग में परिषद क्षेत्र का औस त उत्पादन 733.5 कुंतल प्रति हेक्टेयर आया, जो की जनपद के अन्य परिषदों के सापेक्ष सर्वाधिक है। परिषद के सक्रियता के कारण आज गन्ना समिति स्तर पर गन्ना क्ली निक एवं गन्ना निवेश वितरण केन्द्र सफलता पूर्वक संचालित हो रहा है। कृषकों को रिवाल्विं ग फंड के माध्यम से ऋण पर गन्ने की खेती में उपयोग होने वाले कीटनाशक, कवकनाशी,खरपतवारनाशी,जल विलय उर्वरक, जैव उर्वरक, सागरिका, नैनो यूरिया आदि समय से उपलब्ध रहता है, ताकि गन्ना कृषक अपनीखेती बेहतर तरीके से कर सके। मशीनीकरण को बढ़ावा देने हेतु फार्म मशीनरी बैंक का भी स्थापना किया गया है, जिसमें ट्रैक्टर सहित 9 अत्यन्त आधुनिक यंत्र भी शामिल हैं, जिसे समिति के द्वारा अत्यन्त कम दरों पर कृषकों को उपलब्ध कराया जा रहा है। वहीं गन्ने के उन्नत शील प्रजाति हेतु गन्ना विकास परिषद सतत रूप से क्रिया शील है, जिसके कारण प्रजाति संतुलन एवं नियोजन बेहतर हुआ है। ग्राम पंचायत पंचायत इमलि या बनघुसरा के ग्राम बनघुसरा में कृषकों को प्रशिक्षित करते हुए श्री सिंह के द्वारा बताया गया, कि कृषकों को स्थानीय परिस्थितियों जल जमाव कीट एवं रोगों के संक्रमण एवं प्रजाति चयन को ध्यान में रखते हुए गन्ने की खेती का प्रबंधन कर अधिकतम उत्पादन लिया जा सकता है। इस अवसर महा प्रबंधक गन्ना राजेश प्रताप शाही, मास्टर ट्रेनर अतुल कुमार सिंह, उपेन्द्र कुमार सिंह, विजय कुमार पाण्डेय, अमित शाह, आई जी चौधरी,नितेश सिंह, कर्ताराम वर्मा सहित सैकड़ों की जनसंख्या में गन्ना किसान उपस्थित रहे।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में जिला पोषण समिति की बैठक सम्पन्न

फीडिंग कम पाये जाने पर समस्त सीडीपीओ को जारी किया गया प्रतिकूल प्रविष्टि

सभी सी0डी0पी0ओ0 एवं सहयोगी संस्थाएं पोषण ट्रैकर ऐप पर शत–प्रतिशत डाटा करें फीडिंग–जिलाधिकारी

श्रावस्ती, 28 जून, 2025। सू0वि0। जिलाधिकारी अजय कुमार द्विवेदी की अध्यक्षता में जिला पोषण समिति की बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में

आयोजित की गई। बैठक में जिलाधिकारी ने कहा कि प्रदेश सरकार नवजात शिशुओंध्बच्चोंध्गर्भवतीध्धात्री महिलाओं को स्वस्थ्य रखने हेतु प्रतिबद्ध है, इसी उद्देश्य से आई0सी0डी0एस0 विभाग द्वारा तमाम योजनाओं का संचालन किया जा रहा है, जिससे गर्भवती महिलाओं की बेहतर ढंग से देखभाल कर उन्हें स्वस्थ बनाया जा सके। यदि किसी भी अधिकारी द्वारा इसमें शिथिलता बरती गई तो निश्चित ही उनके खिलाफ कठोर कार्यवाही सुनिश्चित की जाएगी।

बैठक में पोषण ट्रैकर ऐप पर एफ0आर0एस0(चेहरा पहचान प्रणाली) की फीडिंग एवं दक्षता मापन की फीडिंग कम पाये जाने पर समस्त बाल विकास परियोजना अधिकारी (सीडीपीओ) को प्रतिकूल प्रविष्टि जारी किये जाने का निर्देश दिया। उन्होने यह भी निर्देश दिया अगले माह बैठक में समस्त डाटा शत–प्रतिशत पूर्ण किया जाना सुनिश्चित किया जाए। जिलाधिकारी ने निर्देशित किया कि सभी सी0डी0पी0ओ0 एवं सहयोगी संस्थाएं पोषण ट्रैकर ऐप पर सभी प्रकार के पात्र लाभार्थियों का वास्तविक डाटा की शत–प्रतिशत फीडिंग करें। इसके अलावा उन्होने पोषण ट्रैकर ऐप पर बच्चों की ग्रोथ मॉनिटरिंग, टी0एच0आर0 फीडिंग, डोर–टू–डोर भ्रमण, आधार वेरिफिकेशन तथा ई–कवच ऐप पर सैम बच्चों के मैनजमेन्ट, सैम से मैम एवं सैम से सामान्य श्रेणी में सुधरीकृत बच्चों, ई–कवच पर समस्त बच्चों के फालोअप तथा ग्रोथ प्रबंधन के सम्बन्ध में विस्तृत चर्चा की गयी।

उन्होने निर्देशित किया कि समस्त बाल विकास परियोजना अधिकारी, समस्त खण्ड विकास अधिकारी एवं समस्त प्रभारी चिकित्साधिकारी आपस में समन्वय स्थापित कर सैम–मैम बच्चों का चिन्हाकन एवं सुधार हेतु स्वास्थ्य लाभ दिलवाने, पोषाहार वितरण, टीकाकरण, निर्माण कार्य, आयरन गोली का वितरण एवं अन्य विभागीय कार्यो को सफल बनायें। इसके अलावा जनपद में 01 जुलाई से सितम्बर, 2025 तक संभव अभियान–5 संचालित किया जाएगा। जिसमें 07 थीमों जैसे–एनीमिया, विकास की निगरानी, अनुपूरक आहार, पोषण भी पढ़ाई भी, बेहतर सेवाओं के लिए प्रौद्योगिकी, सम्पूर्ण पोषण एवं पर्यावरण संरक्षण पर कार्य कर अभियान को सफल बनाया जाए।

बैठक का संचालन जिला कार्यक्रम अधिकारी पी0के0 दास ने किया।

इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी शाहिद अहमद, जिला विकास अधिकारी रामसमुझ, डी0सी0 एन0आर0एल0एम0 राजीव कुमार, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी अजय कुमार गुप्ता, प्रभारी चिकित्साधिकारीगण, डेवलपमेन्ट पाटनर्स, समस्त बाल विकास परियोजना अधिकारी एवं अन्य कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

भामाशाह जी की जयंती के अवसर पर जनपद में धूमधाम से मनाया गया ''व्यापारी कल्याण दिवस''

मा0 जनप्रतिनिधियों एवं जिलाधिकारी ने द्वीप प्रज्वलित कर किया शुभारम्भ, सर्वाधिक करदाता व्यापारियों को बांटे प्रशस्ति पत्र

श्रावस्ती, 28 जून, 2025। सू0वि0। दानवीर भामाशाह जी की जयंती के अवसर पर जनपद में ''व्यापारी कल्याण दिवस'' के रूप में कलेक्ट्रेट सभागार में धूमधाम से मनायी गई। जिसका मा0 विधायक श्रावस्ती रामफेरन पाण्डेय, जिलाधिकारी अजय कुमार द्विवेदी एवं अपर जिलाधिकारी अमरेन्द्र कुमार वर्मा ने द्वीप प्रज्वलित कर एवं भामाशाह जी के चित्र पा माल्यार्पण कर शुभारम्भ किया। इस दौरान मा0 जनप्रतिनिधियों एवं जिलाधिकारी ने जनपद के सर्वाधिक करदाता व्यापारियों क्रमशः तेज प्रताप सिंह, मिथलेश कुमार शुक्ला, त्रिलोकी नाथ त्रिपाठी, बृजेश कुमार एवं रहीम एण्ड सन्स टिम्बर को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। इस दौरान मा0 मुख्यमंत्री जी की उपस्थिति में लोक भवन लखनऊ से आयोजित कार्यक्रम का सजीव प्रसारण भी किया गया, जिसे माननीय जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों, कर्मचारियों तथा व्यापारियों द्वारा देखा व सुना गया। इस दौरान संस्कृति विभाग के पंजीकृत कलाकार मगन मिश्रा एवं उनके दल द्वारा भामाशाह जी के जीवन पर आधारित लोकगीतों का प्रस्तुतीकरण किया गया, जिससे माननीय जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों द्वारा सराहना की गई।

इस अवसर पर मा0 विधायक ने कहा कि दानवीर भामाशाह जी के जन्म दिवस को ''व्यापारी कल्याण दिवस'' के रूप में मनाया जा रहा है, जो कि इतिहास में महान दानवीर के रूप में जाने जाते है। महाराणा प्रताप को दी गई भामाशाह की सहायता ने मेवाड़ के आत्म सम्मान एवं संघर्ष को नई दिशा प्रदान की।

जिलाधिकारी ने अपने सम्बोधन में कहा कि भामाशाह जी के जन्मदिवस के अवसर पर आज ''व्यापारी कल्याण दिवस'' के रूप में मनाया जा रहा है। समाज के व्यापारी वर्ग में इनका अमूल्य योगदान है। उन्होने कहा कि समाज के उत्थान, राष्ट के निर्माण एवं विकास में जो इनका विशेष योगदान रहा है, उसे कभी भुलाया नही जा सकता है। इसी के तहत आज जनपद के सभी व्यापारियों एवं उद्यमियों को बुलाकर यहां सम्मानित किया जा रहा है।

कार्यक्रम के अन्त में अपर जिलाधिकारी (वि0ध्रा0) ने उपस्थित माननीय जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों तथा व्यापारियों का धन्यवाद ज्ञापित किया तथा कार्यक्रम का समापन किया।

इस अवसर पर सहायक आयुक्त राज्यकर प्रदीप कुमार, सुनील तिवारी, आशुतोष पाण्डेय, विनय कुमार तिवारी सहित मा0 जनप्रतिनिधिगण एवं अन्य विभागों के अधिकारीगण उपस्थित रहें।भामाशाह जी की जयंती के अवसर पर जनपद में धूमधाम से मनाया गया ''व्यापारी कल्याण दिवस''

जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक की अध्यक्षता में थाना मल्हीपुर में समाधान दिवस का हुआ आयोजन

जिलाधिकारी ने राशन की समस्या लेकर आए फरियादी की शिकायत का मौके पर ही कराया निस्तारण

राजस्व एवं पुलिस की टीम मौके पर जाकर करें भूमि विवादों का निस्तारण–जिलाधिकारी

शिकायतकर्ता द्वारा प्राप्त शिकायत का निस्तारण के उपरान्त फोन से कराया जाए अवगत–पुलिस अधीक्षक

श्रावस्ती, 28 जून, 2025। सू0वि0। जिलाधिकारी अजय कुमार द्विवेदी एवं पुलिस अधीक्षक घनश्याम चौरसिया की अध्यक्षता में थाना मल्हीपुर में समाधान दिवसध्थाना दिवस का आयोजन किया गया। इस दौरान फरियादियों की समस्याओं को गम्भीरता से सुनकर उनके निस्तारण हेतु सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देशित किया गया। इस दौरान जिलाधिकारी के समक्ष फरियादी रक्षाराम निवासी मियां गांव तहसील जमुनहा के द्वारा अवगत कराया गया कि उन्हें विगत तीन माह से राशन नहीं मिल रहा है, जिस पर जिलाधिकारी ने तत्काल संबंधित पूर्ति निरीक्षक को स्वयं फोन किया तथा मामले को तुरंत निस्तारित करने का निर्देश दिया। जिस पर फरियादी द्वारा प्रसन्नता व्यक्त की गई।

जिलाधिकारी ने कहा कि समाधान दिवसध्थाना दिवस में आने वाले फरियादियों की समस्याओं को गम्भीरता से सुनकर त्वरित निस्तारण की कार्यवाही करें तथा फरियादियों के साथ नम्र व्यवहार भी किया जाए। उन्होने कहा कि भूमि विवादों से सम्बन्धित प्रकरणों का राजस्व एवं पुलिस की टीम मौके पर जाकर निस्तारण करें। उन्होने यह भी निर्देश दिया कि बालिकाओंध्महिलाओं द्वारा प्राप्त शिकायतों का प्राथमिकता से निस्तारण किया जाए।

इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक ने थानाध्यक्ष को निर्देश दिया कि शिकायतकर्ता द्वारा प्राप्त शिकायत का संज्ञान लेकर तुरंत मौके पर जाकर प्रकरण की जांच कर कार्यवाही करें और उसकी शिकायत के निस्तारण के बाद शिकायतकर्ता को फोन आदि के माध्यम से सूचित भी किया जाए, ताकि शासन के निर्देशानुसार जीरो टालरेंस नीति के तहत लोगों को न्याय दिलाया जा सके।

इस अवसर पर थानाध्यक्ष मल्हीपुर, राजस्व निरीक्षकगण, लेखपालगण, बीट निरीक्षक, बीट कांस्टेबल सहित फरियादीगण उपस्थित रहे।

आकाश एजुकेशनल सर्विसेज लिमिटेड ने दिल्ली में श्चौंपियंस ऑफ आकाशश्र इवेंट में छम्म्ज् और श्रम्म एडवांस्ड 2025 के टॉपर्स का सम्मान किया

'प्रॉब्लम सॉल्वर' स्पिरिट का प्रतीक बनकर,

उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले मेधावी छात्रों को नकद पुरस्कार देकर किया सम्मानित।

' आकाश हर छात्र को एक प्रॉब्लम सॉल्वर बनने के लिए तैयार करता है कृ ऐसा इंसान जो नए चौलेंजेज, जैसे इस साल की परीक्षा में आए बदलावों के बीच भी शांत, फोकस्ड और सॉल्यूशन–ओरिएंटेड बना रहता है।

' आकाशियनों ने एक बार फिर साबित कर दिया है कि जब आप प्रॉब्लम सॉल्विंग की स्किल सीख लेते हैं, तो कोई भी टेस्ट आपके लिए आसान हो जाता है।

नई दिल्ली, 28 जून 2025: आकाश एजुकेशनल सर्विसेज लिमिटेड जो देश में टेस्ट प्रेप के क्षेत्र में अग्रणी है, ने एक बार फिर अपनी शैक्षणिक श्रेष्ठता साबित की है। संस्थान ने छात्रों को नई चुनौतियों का सामना करते हुए एक सच्चे "प्रॉब्लम सॉल्वर" की तरह उभरने के लिए प्रेरित किया है।

NEET UG 2025 की परीक्षा में इस बार पैटर्न और फॉर्मेट में बदलाव के साथ–साथ कठिनाई स्तर भी काफी बढ़ा था। JEE डंपदे और ।dvanced 2025 भी इसी तरह चुनौतीपूर्ण रहे। इसके बावजूद आकाश एजुकेशनल सर्विसेज लिमिटेड के छात्रों ने देशभर और विभिन्न राज्यों में शानदार प्रदर्शन किया है। यह संभव हो पाया है आकाश के फोकस्ड प्रॉब्लम–सॉल्विंग अप्रोच के कारण।

NEET UG 2025 में आकाश के छात्रों ने टॉप 10 में 5 रैंक हासिल की हैं – AIR 2, 3, 5, 9 और 10। टॉप 100 में 35 रैंकर्स आकाश से हैं और 11 स्टूडेंट्स ने अपने–अपने राज्यों में टॉप किया है, जिनमें मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, हरियाणा, पश्चिम बंगाल, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, दादरा और नगर हवेली, जम्मू–कश्मीर, छत्तीसगढ़, गोवा और दमन और दीव शामिल हैं।

JEE Advanced 2025 में भी आकाश के छात्रों ने दमदार प्रदर्शन किया है कृ टॉप 100 में 7 और टॉप 200 में 14 छात्र शामिल हैं, जो इंजीनियरिंग और मेडिकल दोनों क्षेत्रों में आकाश एजुकेशनल सर्विसेज लिमिटेड की उत्कृष्टता को दर्शाते हैं।

आकाश एजुकेशनल सर्विसेज लिमिटेड के मैनेजिंग डायरेक्टर और ब्म्व् श्री दीपक मेहरोत्रा ने कहा, "आकाश में हम छात्रों को सिर्फ पढ़ाई नहीं, बल्कि समस्याओं को हल करने की स्किल भी सिखाते हैं। यही कारण है कि हमारे स्टूडेंट्स इस साल भी इतनी बड़ी संख्या में टॉपर्स बने हैं। छम्म्ज् 2025 का फॉर्मेट न सिर्फ नया था, बल्कि चुनौतीपूर्ण भी था। लेकिन आकाशियनों ने फिर साबित कर दिया कि जब प्रॉब्लम सॉल्विंग की कला आ जाए, तो कोई भी एग्जाम आसान हो जाता है।"

NEET UG 2025 में आकाश के कुछ प्रमुख टॉपसरू

उत्कर्ष अवधिया (AIR 2)
कृषांग जोशी (AIR 3)
अविका अग्रवाल (AIR 5)
हर्ष केड़ावत (AIR 9)
आरव अग्रवाल (AIR 10)
अर्श गांधी (AIR11)

अन्य उत्कृष्ट रैंकर्स में रचित सिन्हा चौधरी (AIR 16), रुपायन पाल (AIR20), गौरव यादव (AIR 23), अभिजीत कुलहरी (AIR 25), और तनिशा (AIR 29) शामिल हैं।

JEE ।कअंदबमक 2025 में आकाश के टॉपसरू

अद्वय मयंक (AIR 36)
रुजुल गर्ग (AIR 41)
श्रेयस लोहिया (AIR 68)
कोठा धनुष रेड्डी (AIR74)
कृष्णा अग्रवाल (AIR 75)
आयुष अग्रवाल (AIR90)
आकाश दीप (AIR 99)

इन सभी छात्रों को आज आकाश एजुकेशनल सर्विसेज लिमिटेड द्वारा आयोजित "चौंपियंस ऑफ आकाश" कार्यक्रम में सम्मानित किया गया। यह छात्र सिर्फ टॉपर्स नहीं, बल्कि सच्चे प्रॉब्लम सॉल्वर्स भी हैं कृ जिन्होंने हर चुनौती का सामना आत्मविश्वास और स्पष्टता के साथ किया।

इस मौके पर आकाश एजुकेशनल सर्विसेज लिमिटेड के चीफ एकेडमिक और बिजनेस हेड डॉ. यशपाल ने कहा, "हमारे छात्रों की सफलता हम सभी के लिए गर्व का विषय है। आकाश में हमारा लक्ष्य हर छात्र को एक ऐसा लर्नर बनाना है जो हर परिस्थिति में शांत, केंद्रित और समाधान–उन्मुख बना रहे। इस साल की परीक्षा में आए बदलावों के बावजूद, छात्रों ने जो प्रदर्शन किया है, वह हमारे मजबूत एकेडमिक फाउंडेशन, पर्सनल गाइडेंस और प्रैक्टिकल अप्रोच का प्रमाण है। हम सभी टॉपर्स और छात्रों को बधाई देते हैं।"

कार्यक्रम में टॉपर्स ने छम्म्ज् जैसी परीक्षाओं की बेहतर तैयारी के लिए अपने अनुभव और सुझाव भी साझा किए। उन्होंने टाइम मैनेजमेंट और स्ट्रेस मैनेजमेंट को लेकर भी उपयोगी टिप्स दिए।

छात्रों को आकाश के मेधावी छात्रों की प्रेरणादायक अकादमिक यात्रा से सीधे जुड़ने का मौका मिला। उन्होंने जाना कि समय का प्रभावी प्रबंधन कैसे किया जाए, तैयारी के दौरान आने वाली चुनौतियों को कैसे पार किया जाए, मोटिवेशन को कैसे बनाए रखें, और आकाश किस तरह से उनके करियर लक्ष्यों को हासिल करने में मदद कर सकता है।

यह इंटरऐक्टिव सेशन छात्रों और अभिभावकों की जिज्ञासाओं का समाधान करने वाला रहा, जिससे छात्रों को अपनी शंकाओं को स्पष्ट करने में काफी मदद मिली।

उपभोक्ता की दुनिया
साप्ता हिन्दी दैनिक
स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक शारदा प्रसाद पाठक द्वारा शंकर प्रिंटिंग प्रेस निकट भरत मिलाप चौराहा, नई बाजार भिनगा से मुद्रित तथा ग्राम हन्नामार पोस्ट गिलौला जनपद श्रावस्ती उ0प्र0 से प्रकाशित।
सम्पादक
भगवान दीन पाठक
मो0– 91 94504 54367, 91 96530 13722
सभी विवादो का न्याय क्षेत्र श्रावस्ती होगा।